शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 318 | गुवाहाटी | बुधवार, 24 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बस्तर के युवा हिंसा के रास्ते को नहीं, बल्कि अवसर शिक्षा, खेल और विकास... पेज 2
राज्य के छह जिलों में उद्योगों को मिलेगी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति, ... पेज 3
प्रयोगशाला सहायक भर्ती घोटाला : ओएमआर शीट में हेरफेर कर... पेज 5
फीफा विश्व कप 2026 : फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर नॉकआउट में बनाई जगह पेज 7

भारत-जापान शिखर सम्मेलन

असम में नहीं आएंगी जापानी प्रधानमंत्री ताकाइची

नई दिल्ली। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की अगले महीने होने वाली असम की बहुप्रतीक्षित यात्रा कार्यक्रम संबंधी दिक्कतों के कारण स्थगित कर दी गई है। कार्यक्रम की समय-सारणी संबंधी कठिनाइयों के अलावा, ताकाइची के साथ कई प्रमुख जापानी व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल भी आने की उम्मीद है, जो असम में इन सभी की मेजबानी में आने वाली रसद संबंधी चुनौतियों को उजागर करता है। जापानी प्रधानमंत्री 1 से 3 जुलाई के बीच भारत की अपनी पहली यात्रा पर आने वाली हैं। सूत्रों के अनुसार, गुवाहाटी को एक *संभावित स्थल* के रूप में माना गया था और *जापानी पक्ष को प्रस्ताव भी दिया गया था,* लेकिन ताकाइची की यात्रा के दौरान व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए पूर्वोत्तर राज्य की यात्रा अब संभव नहीं है। सूत्रों में से एक ने बताया कि प्रधानमंत्री ताकाइची की घरेलू प्रतिबद्धताओं को देखते हुए, जिनमें जापान की संसद का चल रहा सत्र भी शामिल है, भारत में उनके प्रस्तावित आगमन और प्रस्थान के बीच का समय बहुत कम है। इसे और राजधानी से बाहर की यात्रा से जुड़ी अतिरिक्त रसद संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, अब यह यात्रा दिल्ली में होने की संभावना है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पिछले सप्ताह राज्य में जापानी प्रधानमंत्री की संभावित यात्रा का संकेत दिया था। जापानी मीडिया संगठनों ने भी इस प्रस्तावित यात्रा की खबर दी थी। हालांकि, अब ऐसा होने की संभावना कम है। जापान ने पिछले कुछ वर्षों में विदेशी विकास सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को लगभग 22,000 करोड़ रुपए का ऋण -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में असम कैबिनेट ने लिए कई फैसले

गुवाहाटी। आर्थिक विकास, नियमों में ढील और शिक्षा तक पहुंच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से असम राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में लोक सेवा भवन में हुई। इस उच्च स्तरीय बैठक में भूमि पुनर्वर्गीकरण, शिक्षा अवसंरचना, सार्वजनिक वितरण और पर्यटन से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। राज्य कैबिनेट ने असम रेगुलेशन ऑफ री-क्लासिफिकेशन एंड री-क्लासिफिकेशन कम ट्रांसफर ऑफ लैंड्स (संशोधन) बिल, 2026 को मंजूरी दी है। इसे असम विधानसभा के आगामी बजट सत्र में पेश किया जाएगा, ताकि रेगुलेटरी माहौल को बेहतर बनाया जा सके और असम में औद्योगिक व -शेष पृष्ठ दो पर

अभी तक कोई कारण नहीं बताया गया : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को पुष्टि की कि जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की गुवाहाटी की प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी गई है, जिससे राज्य में राजनीतिक बहस छेड़ देने वाली अटकलों का एक दिन का अंत हो गया है। लोक भवन में कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने सोमवार रात को असम के मुख्य सचिव को इस घटनाक्रम से अवगत करा दिया था। शर्मा ने कहा कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कल रात करीब 10:30 बजे असम के मुख्य सचिव को बताया कि जापान की प्रधानमंत्री गुवाहाटी नहीं आएंगी और उनकी यात्रा नई दिल्ली तक ही सीमित रहेगी। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें रद्द करने का कारण नहीं बताया गया है और वे इस पर कोई अटकल नहीं लगाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें इसका कारण नहीं बताया गया है, और प्रोटोकॉल के कारण हम उनसे इसके बारे में पूछ भी नहीं सकते। जब मैं दिल्ली जाऊंगा और विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस बारे में चर्चा -शेष पृष्ठ दो पर

जुबीन मामले में एससी ने सरकार से महंत की जमानत याचिका पर जवाब मांगा

नई दिल्ली / गुवाहाटी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्वोत्तर महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत द्वारा दायर जमानत याचिका पर असम सरकार से जवाब मांगा, जो असम के सांस्कृतिक प्रतीक जुबीन गर्ग की मृत्यु के मामले में मुख्य आरोपी हैं। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के 29 मई के उस आदेश को चुनौती देने वाली महंता की याचिका, जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। पीठ ने असम सरकार को नोटिस जारी किया और मामले की आगे की सुनवाई जुलाई के अंत में तय की। सुनवाई के -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का बयान घरेलू मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश : भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की धमकी को घरेलू मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश करार दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि ऐसे बयान पाकिस्तान की अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने की हताशा भरी कोशिश हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि पानी की सुरक्षा से जुड़े खतरों के कारण सिंधु जल संधि को लेकर युद्ध हो सकता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 की जल संधि को निलंबित कर दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम इन मनगढ़ंत दावों को पूरी तरह और पूरी सख्ती के साथ खारिज करते हैं। पाकिस्तान के अवैध और जबरन कब्जे वाले इलाकों में हो रहे विरोध-प्रदर्शन, पाकिस्तान की दशकों पुरानी नीतियों का नतीजा हैं, जिनमें व्यवस्थित आर्थिक शोषण, मौलिक अधिकारों से वंचित रखना और प्रशासनिक दमन शामिल है।

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

जलडमरूमध्य से निकले 11 भारतीय जहाज, 10 कर रहे इंतजार

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान में शांति समझौता होने के साथ ही होर्मुज जल मार्ग के हालात काफी तेजी से सामान्य होने लगे हैं। 17 जून, 2026 को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता करने की सहमति बनी और उसके बाद से अभी तक होर्मुज जलमार्ग से 11 जहाज भारत की तरफ रवाना हो चुके हैं। वैसे अभी भी 10 भारतीय जहाज होर्मुज में हैं लेकिन वह भी जल्द ही भारत की ओर निकल सकते हैं। इन जहाजों में काफी सारा कच्चा तेल और उर्वरक है। इनके भारत के विभिन्न बंदरगाहों पर पहुंचने के साथ ही देश में पेट्रोलियम उत्पादों व उर्वरकों की उपलब्धता बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी। यह -शेष पृष्ठ दो पर

अंबुवासी मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे सामाजिक-धार्मिक संगठन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की राजधानी गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ पर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ कामाख्या धाम में आयोजित अंबुवासी महोत्सव के दौरान श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत और तांत्रिक साधक यहां पहुंच रहे हैं। नीलाचल पहाड़ और उसके आसपास का पूरा क्षेत्र इन दिनों धार्मिक गतिविधियों और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बना हुआ है। अंबुवासी महोत्सव के अवसर पर लाखों श्रद्धालु मां कामाख्या के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। साधु-संतों, तांत्रिकों और भक्तों की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में भक्ति और आध्यात्मिकता का विशेष वातावरण बना हुआ है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ-साथ अनेक सामाजिक, धार्मिक और स्वयंसेवी संगठन भी सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। श्रद्धालुओं को पेयजल, भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न स्थानों पर सेवा शिविर स्थापित किए गए हैं। इसी कड़ी में मध्यदेशीय वैश्य -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

आदमी अपने जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान होता है।
- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

महाराष्ट्र सरकार ने शुरू की यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार ने सूबे में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। इसके लिए एक बिल का मसौदा तैयार करने के लिए एक विशेष समिति बनाई गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

कतर के गैंस प्लांट में धमाका 12 भारतीय नागरिकों की मौत

दोहा। कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर में सोमवार को एक गैंस प्लांट वाली फैक्टरी में विस्फोट हो गया। इस घटना में 12 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। कतर के अधिकारियों ने इस खबर की पुष्टि की है। इय बीच मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए, भारतीय दूतावास ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की है। कतर स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि दुर्घटना में घायल सभी लोगों की हालत अभी स्थिर है और उन्हें उचित चिकित्सा देखभाल मिल रही है। दूतावास कतर के अधिकारियों के लगातार संपर्क में है और प्रभावित भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है। दूतावास यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि मृतकों के पार्थिव शरीर जल्द से जल्द भारत वापस लाए जाएं। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस मामले पर एक बयान जारी किया है। -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदुस्तान कोका कोला समूह मध्य प्रदेश में करेगा 300 करोड़ रुपए का निवेश

भोपाल (हि.स.)। हिंदुस्तान कोका कोला समूह मध्य प्रदेश में 300 करोड़ रुपए का निवेश करने जा रहा है। यह जानकारी मंगलवार को कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत रुपानी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के दौरान दी। दरअसल, हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत रुपानी ने आज भोपाल प्रवास के दौरान मंत्रालय पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

क्रास वोटिंग मामले में भाजपा नेतृत्व ने दी सख्त हिदायत

पार्टी के साथ विश्वासघात करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली (हि.स.)। कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में कथित क्रॉस-वोटिंग के मामले में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र से नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि जो लोग क्रॉस-वोटिंग करके पार्टी के साथ विश्वासघात करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नितिन नवीन ने 2028 में होने वाले विधानसभा चुनावों में एकजुट होकर लड़ने और पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की सलाह दी है। भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक भी मौजूद रहे। बैठक के बाद कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया को बताया कि विपक्ष के नेता आर. अशोक और वरिष्ठ नेताओं के साथ एमएलसी चुनावों के दौरान हुई क्रॉस-वोटिंग पर एक शुरुआती रिपोर्ट सौंपने के लिए अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले। प्रदेश इकाई ने इस मामले को -शेष पृष्ठ दो पर

आय से अधिक संपत्ति मामले में आबकारी अधीक्षक के ठिकानों पर एसीबी की छापेमारी

हैदराबाद (हि.स.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों के संबंध में हैदराबाद और निजामाबाद में एक साथ तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई निजामाबाद के जिला आबकारी अधीक्षक के. मल्ला रेड्डी के खिलाफ प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई। एसीबी सूत्रों के अनुसार, पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) शेखर गौड़ के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने हैदराबाद स्थित मल्ला रेड्डी के आवास, निजामाबाद के प्रगति नगर स्थित उनके घर तथा सुभाष नगर स्थित आबकारी अधीक्षक कार्यालय में एक साथ छापेमारी की। तलाशी अभियान के दौरान अधिकारियों ने आबकारी विभाग के कार्यालय से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और अभिलेख जब्त किए। इसके अलावा मल्ला रेड्डी के आवासों से संपत्ति संबंधी दस्तावेज, वित्तीय -शेष पृष्ठ दो पर

कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के 75वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद (केएएसी) के 75वें स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों, विशेषकर कार्बी आंग्लांग के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर साझा अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि परिषद की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा न्याय, समानता और जनसेवा -शेष पृष्ठ दो पर

ममता ने ईसी को सौंपी पदाधिकारियों की नई सूची, खुद को बताया टीएमसी अध्यक्ष

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधायकों और सांसदों की बगावत के बीच तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग (ईसी) को अपने पदाधिकारियों और राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्यों की एक नई सूची भेजी है। इसमें यह बात दोहराई गई है कि ममता बनर्जी ही पार्टी की प्रमुख बनी हुई हैं। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि चुनाव आयोग को सौंपी गई सूची में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे का जिक्र 20 जून, 2026 तक की स्थिति के अनुसार किया गया है। पार्टी पर नियंत्रण को लेकर चल रहे दावों के बीच इस सूची के जरिए पार्टी के आधिकारिक पदानुक्रम को रिकॉर्ड पर लाया गया है। सूची के अनुसार, ममता बनर्जी अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष हैं जबकि सुब्रत बख्शी उपाध्यक्ष हैं और अभिषेक बनर्जी राष्ट्रीय महासचिव (लोकसभा नेता) हैं। पदाधिकारियों की सूची में संयुक्त सचिव -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

बस्तर के युवा हिंसा के रास्ते को नहीं, बल्कि अवसर शिक्षा, खेल और विकास के मार्ग को अपना रहे हैं : पीएम

रायपुर(हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां कभी आतंक और हिंसा का माहौल था, वहां आज युवाओं की ऊर्जा खेल और प्रतिभा के माध्यम से सामने आ रही है। बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों में लाखों युवाओं की भागीदारी इस परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। यह दर्शाता है कि अब वहां के युवा हिंसा के रास्ते को नहीं, बल्कि अवसर, शिक्षा, खेल और विकास के मार्ग को अपना रहे हैं। यह जानकारी राज्य सूचना विभाग ने आज अपने बयान में दी। प्रधानमंत्री मोदी ने नक्सलवाद के खिलाफ देश की लड़ाई को विकास और जनविश्वास की विजय बताते हुए कहा है कि सरकार ने नक्सलवाद और माओवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया था और आज उसके सकारात्मक परिणाम पूरे देश के सामने हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी भय, हिंसा और अविश्वास का वातावरण था, वहां आज विकास, सुशासन और नई संभावनाओं का युग प्रारंभ हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक समय नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य नागरिक निरंतर भय के साये में जीवन जीने को मजबूर थे। लोगों को अपनी सुरक्षा, आजीविका और सम्मान की चिंता रहती थी। विकास कार्यों को आगे बढ़ाना अत्यंत कठिन था। सड़क निर्माण से लेकर संचार सुविधाओं के विस्तार तक हर प्रयास का हिंसक विरोध किया जाता था। कई बार निर्माण सामग्री को जला दिया जाता था। ठेकेदारों को धमकाकर भगा दिया जाता था और विकास कार्यों को रोकने की कोशिश की जाती थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बीते वर्षों में हजारों किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया, हजारों मोबाइल टावर स्थापित किए गए और दूरस्थ गांवों तक संचार सुविधाएं पहुंचाई गईं। बैंकिंग सेवाओं, डाक सेवाओं और वित्तीय समावेशन के माध्यम से लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल आधारभूत संरचनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में विश्वास और अवसरों का विस्तार है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई केवल बम, बंदूक और गोली के सहारे नहीं लड़ी गई। सरकार ने सुरक्षा के साथ-साथ जनसामान्य की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने पर भी समान रूप से ध्यान दिया। शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, गरीबों को अधिकार दिलाने और लोकतंत्र के प्रति विश्वास मजबूत करने के निरंतर प्रयास किए गए। इसी का परिणाम है कि आज नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आमजन का भरोसा लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास की प्रक्रिया में बढ़ा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के *नेशन फर्स्ट* संकल्प, दूरदर्शी नेतृत्व और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस ने बस्तर सहित पूरे नक्सल प्रभावित क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां कभी नक्सलवाद का आतंक था, वहां आज विकास का आत्मविश्वास दिखाई देता है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, बैंकिंग और जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच ने लोगों के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन लाया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा : डोभाल

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने मंगलवार को ब्रिक्स देशों की यहां आयोजित बैठक में कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच बनी समझ का भारत स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं को कम करेगा तथा उर्वरक, रसायन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बेहतर करेगा। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। डोभाल ने 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक में वैश्विक चुनौतियों के बीच ब्रिक्स की अहम भूमिका को रेखांकित किया। डोभाल ने कहा कि दुनिया इस समय सैन्य संघर्षों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबावों और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों जैसी जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष समाधान के पारंपरिक तंत्र कमजोर पड़ रहे हैं और ऐसे समय में ब्रिक्स की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एनएसए ने कहा कि बहुपक्षवाद कमजोर हो रहा है। ब्रिक्स की कल्पना उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के एक अनौपचारिक समूह के तौर पर की गई थी, ताकि एक ज्यादा बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि उथल-पुथल और तेजी से बदलते इस दौर में जहां झगड़े सुलझाने के पुराने तरीके बेअसर होते दिख रहे हैं, हमारी एक बहुत खास भूमिका है। एक समूह के तौर पर हम क्या भूमिका निभा सकते हैं, इस पर विचार करना हमारे लिए जरूरी है। डोभाल ने कहा कि साइबर खतरों, आतंकवाद के नए स्वरूपों और विघटनकारी तकनीकों जैसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरे राष्ट्रीय सीमाओं से परे फैल चुके हैं।

बठिंडा में भाजपा नेता के क्लीनिक पर पेट्रोल बम फेंका

बठिंडा (हिंस)। बठिंडा शहर में सोमवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब वार्ड नंबर 47 स्थित हैनीमैन होम्योपैथिक क्लीनिक पर दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार युवकों ने पेट्रोल बम फेंक दिया। क्लीनिक में मौजूद स्टाफ की सूझबूझ से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, जिससे किसी बड़े जान-माल के नुकसान से बचाव हो गया। हमले का निशाना बना यह क्लीनिक समाजसेवी एवं भाजपा नेता डॉ. तरसेम गर्ग का है। तरसेग गर्ग पहले आम आदमी पार्टी पंजाब के पूर्व वरिष्ठ नेता रह चुके हैं। उनकी पत्नी हाल ही में हुए नगर निगम चुनाव में भाजपा की उम्मीदवार भी रही थी। जिस जगह पैट्रोल बम फेंका गया है उसके ठीक सामने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का केंद्र है। जानकारी के अनुसार रात करीब दस बजे दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर क्लीनिक के बाहर पहुंचे और ज्वलनशील पदार्थ से भरी बोतल फेंककर मौके से फरार हो गए। क्लीनिक के कर्मचारियों ने तत्काल आग पर काबू पाया और पुलिस को सूचना दी।

अयोध्या प्रकरण में एसआईटी ने राज्य सरकार को सौंपी रिपोर्ट

लखनऊ (हिंस)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितता की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप दी। एसआईटी के सदस्यों ने अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद को यह रिपोर्ट सौंपी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर राज्य सरकार ने 13 जून को तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एसआईटी गठित कर कथित अनियमितता को लेकर लगे आरोपों की जांच करने की मांग की थी। एसआईटी में लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज किरन एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन को शामिल किया गया था। विजय वी पंत और किरन एस ने शुरुआती रिपोर्ट सौंपी है।

1 जनवरी 2025 तक बसे सभी झुग्गी परिवारों को पक्के मकान देगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के लाखों झुग्गीवासियों के लिए एक ऐतिहासिक और बहुप्रतीक्षित निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की 36वीं बोर्ड बैठक में झुग्गी पुनर्वास को लेकर बड़ा फैसला लिया गया। बैठक में तय किया गया कि दिल्ली में 1 जनवरी 2025 तक स्थापित सभी पात्र झुग्गी बस्तियों के निवासियों को पुनर्वास का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस ऐतिहासिक निर्णय से राजधानी की जेजे बस्तियों में रहने वाले लगभग 4 से 5 लाख परिवारों यानी करीब 20 लाख लोगों के लिए पक्के और सम्मानजनक आवास का मार्ग प्रशस्त होगा। दिल्ली सचिवालय में मंगलवार को आयोजित इस बैठक में दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। यह महत्वपूर्ण निर्णय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में हाल में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक और *दिल्ली स्लम एवं जेजे क्लस्टर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति 2026* के तहत लिए गए फैसलों के अनुरूप है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देशभर में गरीबों को सम्मानजनक जीवन, बेहतर आवास और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। दिल्ली में भी उनकी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना तथा *हर गरीब को पक्का घर* के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सरकार झुग्गीवासियों के पुनर्वास के लिए तेजी से काम कर रही है। यह निर्णय केवल मकान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि लाखों परिवारों को सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक जीवन और पक्का आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लंबे समय से पुरानी पात्रता तिथि के कारण बड़ी संख्या में परिवार पुनर्वास के लाभ से वंचित रह जाते थे। नई कट-ऑफ तिथि तय होने से अब अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि इस निर्णय से दिल्ली की विभिन्न जेजे बस्तियों में रहने वाले लगभग 4 से 5 लाख परिवारों यानी लगभग 20 लाख लोगों के लिए पक्के घर मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। पात्र परिवारों को सभी आवश्यक नागरिक सुविधाओं से युक्त बहुमंजिला फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे।

पृष्ठ एक का शेष

असम में नहीं आएंगी...

दिया है, जिसमें पूरे क्षेत्र में सड़क संपर्क में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। टोक्यो द्वारा समर्थित अन्य पहलों में असम में लगभग 3,800 करोड़ रुपए की लागत वाली स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण परियोजना, गुवाहाटी के लिए जल आपूर्ति परियोजना, पूरे क्षेत्र में बांस मूल्य श्रृंखला में सुधार और पूर्वोत्तर के लगभग हर राज्य में पुलों का निर्माण शामिल है। जापान उन चुनिंदा देशों में से एक बन गया है जिन पर भारत इस क्षेत्र में निवेश और विकास के लिए भरोसा करता है। ताकाइची की यह पहली यात्रा होगी और यह पिछले साल अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टोक्यो यात्रा के प्रतिउत्तर स्वरूप आयोजित की जा रही है। मोदी और ताकाइची की मुलाकात पहले भी हो चुकी है, पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान। पिछले साल, जापान ने अपने निवेश को 34 अरब डॉलर से बढ़ाकर 68 अरब डॉलर करने पर सहमति जताई थी। दोनों देशों ने अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से सुरक्षा सहयोग पर एक संयुक्त घोषणापत्र भी जारी किया। इस संयुक्त घोषणापत्र में सहयोग के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जिनमें संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यासों को बढ़ाना, रक्षा प्रौद्योगिकी का सह-उत्पादन और नए क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान शामिल है। ताकाइची की यह यात्रा एशियाई भू-राजनीति के एक नाजुक मोड़ पर हो रही है। पिछले कुछ महीनों में, विशेष रूप से अक्तूबर 2025 में ताकाइची के प्रधानमंत्री बनने के बाद से, जापान और चीन के बीच संबंध काफी बिगड़ गए हैं। पिछले साल नवंबर में जापानी प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया था कि अगर चीन बलपूर्वक ताइवान पर कब्जा कर लेता है, तो जापान की ओर से जवाबी कार्रवाई हो सकती है। वहीं दूसरी ओर, द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद से जापान का पारंपरिक सहयोगी रहा अमेरिका, चीन के साथ संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने बीजिंग का दौरा किया था। क्वाड (समुद्री समन्वय का लघु संगठन) जिसमें अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं, ने सितंबर 2024 के बाद से नेताओं के स्तर का कोई शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं किया है, जब जो बाइडेन अमेरिकी राष्ट्रपति थे। भारत ने चीन के साथ अपने संबंधों को स्थिर करने के प्रयास भी किए हैं, जिसके तहत प्रधानमंत्री मोदी पिछले साल शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन के लिए चीनी शहर तियानजिन गए थे। ताकाइची की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त हो गया है और वाशिंगटन और तेहरान ने एक बड़े शांति समझौते के लिए सीधी बातचीत शुरू कर दी है।

अभी तक कोई कारण ...

करूंगा, तब हमें खुद ही पता लगाना होगा। शर्मा ने आगे कहा कि असम को रद्द करने की सूचना *दो पंक्तियों में* दी गई थी, बिना किसी और स्पष्टीकरण के, लेकिन केंद्र ने आश्वासन दिया था कि इसके बजाय निकट भविष्य में एक उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल असम का दौरा करेगा। जापान की एक टीम एक महीने से अधिक समय से गुवाहाटी में है और होटल के कमरों और भोजन की व्यवस्था सहित पूरे गुवाहाटी का सर्वेक्षण कर रही है। हमने 2019 में कोशिश की थी लेकिन उन्हें नहीं ला सके। यह हमारे लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, शर्मा ने कहा, जो सीएए विरोधी प्रदर्शनों के बीच जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की 2019 की यात्रा रद्द होने का जिक्र कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में 50 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के शामिल होने की उम्मीद थी, जिनमें मारुति सुजुकी के प्रतिनिधि भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान मैं यह मुद्दा उठाऊंगा कि क्या निकट भविष्य में असम के लिए कुछ बड़ा किया जा सकता है। रद्द करने के पीछे के कारण के बारे में और अधिक पूछे जाने पर, शर्मा ने संकेत दिया कि उन्हें इसका कुछ अंदाजा है, लेकिन उन्होंने विस्तार से बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे कारण का कुछ अंदाजा है, लेकिन मैं विदेश मंत्री जयशंकर से बात करने के बाद ही आपको बता पाऊंगा। तब तक, मुख्यमंत्री के लिए अपुष्ट मामलों पर बोलना उचित नहीं होगा। शर्मा ने पुष्टि की कि प्रस्तावित यात्रा से संबंधित सौंदर्यीकरण कार्य जारी नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि अतिथि नहीं आ रहे हैं, इसलिए हम यात्रा के लिए नियोजित सौंदर्यीकरण कार्य को जारी नहीं रखेंगे, क्योंकि इससे राज्य के खजाने पर बोझ पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रा से स्वतंत्र रूप से पहले से चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य जारी रहेंगे। इसी संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अगले तीन वर्षों में यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और जापान से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा ही ऐसे दो देश हैं जिन्होंने असम के संबंध में यात्रा संबंधी सलाह जारी रखी है, और उन्होंने उम्मीद जताई कि इन्हें भी अंततः वापस ले लिया जाएगा। इसके अलावा, विदेश यात्रा करने वाले भारतीय अधिकारियों के लिए जारी यात्रा सलाहों के संबंध में, शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के समाधान की ओर बढ़ने के साथ, राज्य विदेश यात्रा करने वाले अधिकारियों के लिए अपनी सलाह को आसान बनाने पर विचार करेगा। क्षेत्र से सीधी उड़ान संपर्क के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि गुवाहाटी और वियतनाम के बीच सीधा हवाई संपर्क स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री की पुष्टि से पहले ही, प्रस्तावित रद्द करने की खबरों ने राज्य में राजनीतिक बहस छेड़ दी थी। कई राष्ट्रीय समाचार पत्रों और समाचार पोर्टलों ने बताया था कि *समय की पाबंदियों* और *लॉजिस्टिकल विचारों* के कारण ताकाइची की भारत यात्रा का गुवाहाटी चरण रद्द होने की संभावना है, और यह यात्रा नई दिल्ली तक ही सीमित रहने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक, भाजपा विधायक चक्रधर गोगोई ने इस संदिग्ध रद्द करने की घटना को गणेशगुरी स्थित कलागुरु बिष्णु प्रसाद राभा फ्लाईओवर के एक स्तंभ से असमिया सांस्कृतिक प्रतीक जुबीन गर्ग के भित्ति चित्र को हटाने को लेकर हुए हालिया विवाद से जोड़ा था। विपक्ष ने इस संबंध को खारिज कर दिया, विपक्ष के नेता और कांग्रेस विधायक वाजिद अली चौधरी ने कहा कि यह सुझाव देने का कोई आधार नहीं है कि भित्तिचित्र विरोध ने निर्णय को प्रभावित किया था, और यह भी कहा कि मुद्दा बिना किसी तनाव के हल हो गया था।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में ...

कमर्शियल निवेश को बढ़ावा दिया जा सके। इस बिल के तहत जिन सेक्टरों को मंजूरी दी जाएगी, वे हैं: एमएसएमई, हाइड्रोकार्बन, सोलर, और कृषि से गैर-कृषि भूमि उपयोग। उधर राज्य कैबिनेट ने राज्य की सभी उचित मूल्य की दुकानों (एफपीएस) के लाइसेंस की वैधता अवधि को 30 जून, 2026 से बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 करने को मंजूरी दी है। इसका मकसद उचित मूल्य की दुकानों का कामकाज बिना रुकावट जारी रखना और पूरे राज्य में एनएफएसए लाभार्थियों को अनाज का सुचारू वितरण सुनिश्चित करना है। उधर राज्य कैबिनेट ने असम टी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एटीसीएल) को 9.75 करोड़ रुपए जारी करने को मंजूरी दी है। एटीसीएल इस राशि का इस्तेमाल अपने अधिकारियों के लिए प्रस्तावित वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना) के तहत करेगी। वहीं राज्य कैबिनेट ने *असम प्राइवेट यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2007* में संशोधन को मंजूरी दी है। इस संशोधन का मकसद निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए जरूरी न्यूनतम भूमि की सीमा को कम करना है – ग्रामीण इलाकों में इसे 60 बीघा से घटाकर 35 बीघा और शहरी इलाकों में 30 बीघा से घटाकर 21 बीघा करना है। राज्य कैबिनेट ने तय एकेडमिक और सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए स्कूली शिक्षा क्षेत्र के लिए एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस प्रस्ताव के तहत, शहरी इलाकों में एलपी (लोअर प्राइमरी) से लेकर सेकेंडरी स्कूल तक के लिए जरूरी न्यूनतम बिल्ट-अप एरिया 1 बीघा और ग्रामीण इलाकों के लिए 3 बीघा तय किया गया है। हालांकि, ऐसे स्कूलों के लिए साफ-सफाई, पीने का पानी, बाउंड्री वॉल, शौचालय जैसी सुविधाएं होना और आपदा से बचाव व दिव्यांग-अनुकूल होने जैसे नियमों का पालन करना जरूरी है। इधर होम स्टे वगैरह के रजिस्ट्रेशन के लिए *असम टूरिज्म एकोमोडेशन (डेवलपमेंट एंड रजिस्ट्रेशन) रूल्स, 2026* को राज्य कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इस नियम में रजिस्ट्रेशन के लिए एक आसान सिंगल-विंडो प्रक्रिया और हर तीन साल बाद ऑटो-रिन्यूअल (अपने-आप नवीनीकरण) की व्यवस्था शामिल है।

जुबीन मामले में एससी ...

दौरान, बेंच ने पूछा कि क्या महंत को जमानत पर रिहा किए जाने पर भागने का कोई खतरा है। महंता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तर्क दिया कि ऐसी कोई संभावना नहीं है, जैसा कि कानूनी समाचार पोर्टल लाइव लॉ और बार एंड बेंच ने रिपोर्ट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डेव ने अदालत के सामने पेश होते हुए कहा कि व्यक्ति की मौत डूबने से हुई है। भागने का कोई खतरा नहीं है। मेरे पास पैसे नहीं हैं। मेरा पासपोर्ट जमा है। महंता लगभग नौ महीने से हिरासत में हैं और खबरों के अनुसार उनका कहना है कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है। यह ताजा घटनाक्रम तब सामने आया है जब महंत ने गुवाहाटी की फास्ट-ट्रैक कोर्ट और गुवाहाटी हाई कोर्ट दोनों द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। महंता को 1 अक्तूबर, 2025 को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं। आरोपपत्र में भारतीय न्याय संहिता के आपराधिक षड्यंत्र, हत्या, गैर इरादतन हत्या, साक्ष्य नष्ट करना, जबरन वसूली, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात से संबंधित प्रावधानों का हवाला दिया गया है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय में जमानत की अर्जी दाखिल करते हुए महंत ने आरोपों से इनकार किया और कहा कि गर्ग की मौत आकस्मिक डूबने से हुई थी। उन्होंने इस दावे का भी खंडन किया कि वह भाग सकते हैं, और बताया कि उनका पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेज पहले ही जब्त किए जा चुके हैं। हालांकि, गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने 29 मई को उनकी याचिका खारिज कर दी, यह देखते हुए कि जांच के दौरान एकत्र की गई सामग्री प्रथम दृष्टया कथित साजिश में उनकी संलिप्तता का संकेत देती है। अदालत ने आगे कहा कि उस स्तर पर महंत के फरार होने या गवाहों को प्रभावित करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता था। इससे पहले, गुवाहाटी की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने भी आरोपों की गंभीरता और जांच के महत्वपूर्ण चरण का हवाला देते हुए उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था।

जलडमरूमध्य से निकले ...

जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने दी है। जायसवाल ने बताया कि होर्मुज से जहाज बाहर निकलने लगे हैं और साथ ही तीन भारतीय जहाज बाहर से होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में भी गये हैं। वहां से 11 जहाज भारत की तरफ आने के लिए निकल चुके हैं। इनमें तीन भारतीय जहाज हैं जिनमें 2.85 लाख मैट्रिक टन कच्चा तेल भरा हुआ है जबकि विदेशों में पंजीकृत एक एलपीजी और एक कच्चे तेल से भरा जहाज भी भारत आ रहा है। छह जहाजों मे उर्वरक हैं जो भारत आ रहे हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के समय (फरवरी-मार्च 2026) होर्मुज क्षेत्र में लगभग 24 भारतीय जहाज फंसे हुए थे, जिनमें ज्यादातर जहाज जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में थे। इनमें मुख्य रूप से कच्चा तेल, एलपीजी और उर्वरक ले जा रहे टैंकर शामिल थे। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 50 फीसद होर्मुज जलमार्ग के रास्ते आयात करता है (मध्य पूर्व के देशों जैसे इराक, सऊदी अरब, यूएई और कुवैत से)। हाल के वर्षों में भारत ने आयात स्रोतों में विविधता लाकर इस निर्भरता को कम किया है, लेकिन होर्मुज अभी भी देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग बना हुआ है।

अंबुवासी मेले में उमड़ा ...

महासभा की ओर से श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क सेवा शिविर संचालित किया जा रहा है। शिविर में आने वाले श्रद्धालुओं को मुफ्त पेयजल, ग्लूकोज, बिस्कुट और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की जा रही है। संगठन के स्वयंसेवक दिन-रात सेवा कार्य में लगे हुए हैं, ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विश्व हिंदू परिषद की ओर से भी अंबुवासी मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए हैं। इन शिविरों में चिकित्सकों की टीम श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच कर रही है तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उपचार और चिकित्सकीय परामर्श भी उपलब्ध कराया जा रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। इनके अलावा कई अन्य सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं भी अपने स्तर पर सेवा गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर विश्राम केंद्र, जलपान शिविर और सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां उन्हें आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अंबुवासी महोत्सव का शुभारंभ 22 जून को हुआ है और इसका समापन 26 जून को होगा। इस अवधि के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए प्रशासन और विभिन्न संस्थाएं लगातार सेवा और सुरक्षा व्यवस्था में जुटी हुई हैं। प्रशासन, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों के समन्वित प्रयासों से अंबुवासी मेले का आयोजन सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। कामाख्या धाम में आयोजित यह महोत्सव केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक सहभागिता की भावना का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

कतर के गैंस प्लांट में ...

कतर में भारतीय दूतावास ने रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में रविवार हुई दुखद घटना से प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। दूतावास ने मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। +974-55647502 और +975-55384683। बताया जा रहा है कि रविवार रात कतर के रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में बरजान गैस सप्लाई फैसिलिटी को फिर से शुरू करने की कोशिश के दौरान एक तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ और फिर आग लग गई। शुरुआती रिपोर्टों में ईरान की ओर से मिसाइल हमले की बात कही गई थी, लेकिन बाद में कतर के गृह मंत्रालय ने साफ किया कि कोई हमला नहीं हुआ था। यह घटना एक तकनीकी खराबी के कारण हुई थी। इस घटना में 13 कर्मचारियों की मौत हो गई। जिनमें 12 भारतीय नागरिक शामिल थे। जबकि 66 अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद, भारतीय दूतावास ने 12 भारतीयों की मौत की पुष्टि की और बताया कि घायलों की हालत स्थिर है। दूतावास प्रभावित परिवारों की मदद करने और शवों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कतर सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है।

हिंदुस्तान कोका कोला ...

उन्होंने राज्य सरकार की उद्योग मित्र नीतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिंदुस्तान कोका कोला समूह मध्य प्रदेश में 300 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रहा है। इससे रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रूपानी को प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित योजनाओं गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान हिंदुस्तान कोका-कोला के नेशनल हेड विवेक झा, राज्य प्रमुख अश्विनी यीलेने तथा औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है मध्य प्रदेश के कि राजगढ़ जिले के पीलूखेड़ी स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस की इकाई पहले से ही संचालित है।

पार्टी के साथ विश्वासघात ...

बहुत गंभीरता से लिया है और इसकी जांच के लिए पहले ही एक जांच समिति बनाने की घोषणा कर दी गई है। अब पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने भरोसा दिलाया है कि जो लोग क्रॉस-वोटिंग करके पार्टी के साथ विश्वासघात करेंगे, उनके खिलाफ हम खुद कार्रवाई करेंगे। हमें 2028 के चुनावों में एकजुट होकर लड़ने और पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की सलाह दी है और हम उसी के अनुसार आगे बढ़ेंगे। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने कहा कि एमएलसी चुनाव में भाजपा के दो उम्मीदवारों की जीत हुई। पार्टी के 2-3 विधायकों ने भाजपा के खिलाफ क्रॉस-वोटिंग की। उन्होंने कहा कि यह पार्टी के साथ धोखा है और इसे हल्के में नहीं लिया जाएगा। आज भाजपा अध्यक्ष से मिलकर कर्नाटक में हुई क्रॉस-वोटिंग के पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी गई। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को सभी तथ्यों से अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मामले को लेकर गंभीर है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व इस मुद्दे पर उचित निर्णय लेगा।

आय से अधिक संपत्ति मामले ...

रिकॉर्ड तथा अन्य मूल्यवान वस्तुओं को भी जांच के लिए अपने कब्जे में लिया है। एसीबी अधिकारियों ने जांच के तहत पूछताछ के लिए के. मल्ला रेड्डी को हिरासत में ले लिया है। साथ ही विभिन्न स्थानों पर दस्तावेजों का सत्यापन और संपत्तियों से संबंधित जानकारी जुटाने की प्रक्रिया जारी है। प्रारंभिक जांच में अधिकारियों का ध्यान कथित रूप से अवैध साधनों से अर्जित चल और अचल संपत्तियों की जानकारी एकत्र करने पर केंद्रित है। एसीबी टीम बैंक खातों, निवेश, भूमि एवं भवन संबंधी दस्तावेजों सहित अन्य वित्तीय लेन-देन की भी जांच कर रही है। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए दस्तावेजों और रिकॉर्ड का परीक्षण पूरा होने के बाद मामले में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। जांच पूरी होने पर आरोपित अधिकारी की कुल संपत्ति, आय के स्रोत तथा कथित अनियमितताओं से जुड़े तथ्यों का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल मामले में तलाशी और दस्तावेजों की जांच की कार्रवाई जारी है तथा एसीबी जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

ममता ने ईसी को सौंपी ...

के रूप में डेरेक ओ-ब्रायन (राज्यसभा सांसद) और डोला सेन और कोषाध्यक्ष के रूप में सुभाशीष चक्रवर्ती का भी नाम है। राष्ट्रीय कार्यसमिति में ममता बनर्जी, सुब्रत बख्शी, अभिषेक बनर्जी, डेरेक ओ-ब्रायन, डोला सेन और सुभाशीष चक्रवर्ती शामिल हैं। अन्य सदस्यों में चंद्रिमा भट्टाचार्य, अमित मित्रा, राजेश पति त्रिपाठी, असीमा पात्रा, मोलॉय घटक, गौतम देब, शोभनदेब चट्टोपाध्याय, बुलु चिक बड़ाइक, मुकुल संगमा, बैस्वनोर चट्टोपाध्याय, बीरबाहा हांसदा, कल्याण बनर्जी, सौगत रॉय, नदीमुल हक, मदन मित्रा, बिमान बनर्जी, महुआ मोइत्रा और कुणाल घोष शामिल हैं। चंद्रिमा भट्टाचार्य को राष्ट्रीय कार्य समिति का सदस्य और पश्चिम बंगाल टीएमसी अध्यक्ष के तौर पर लिस्ट किया गया है, जबकि शोभनदेव चट्टोपाध्याय को सदस्य और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता के तौर पर लिस्ट किया गया है।

महाराष्ट्र सरकार ने ...

विधानसभा सत्र को संबोधित करते हुए आज राज्य के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने सदन को बताया कि सरकार इस कानून को लागू करने के लिए *100 प्रतिशत प्रतिबद्ध* है और मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। उन्होंने पुरानी सोच वाली सामाजिक प्रथाओं को रोकने की जरूरत पर जोर देते हुए राज्य के इस कदम को सही ठहराया। उन्होंने नासिक की एक हालिया घटना का जिक्र किया, जिसमें एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी को मोबाइल कॉल और ईमेल के जरिए *तलाक* दिया और उसके आठ दिन बाद महिला पर हिंसक हमला किया। कदम ने कहा कि ऐसी प्रथाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जिनमें सिर्फ फोन कॉल या ईमेल से शादी खत्म कर दी जाती है। ऐसी पुरानी सोच वाली प्रवृत्तियों को रोकने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि राज्य में किसी भी महिला के साथ अन्याय न हो, यूनिफॉर्म सिविल कोड जरूरी है।

कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद ...

के आदर्शों पर आधारित रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विकास और जनकल्याण की यह यात्रा आने वाले समय में और अधिक सशक्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्बी आंग्लांग की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं और जनजातीय गौरव ने सदैव असम को और अधिक समृद्ध बनाया है। उन्होंने इस उपलब्धि को क्षेत्र के लोगों की विरासत, दृढ़ता और आकांक्षाओं का प्रतीक बताया। डॉ. शर्मा ने परिषद की निरंतर प्रगति तथा क्षेत्र के लोगों की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि परिषद भविष्य में भी शांति, विकास और सर्वसमावेशी सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

सड़क हादसे में आठ घायल

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के सोनतली में हुए सड़क हादसे में आठ लोग घायल हो गए, जिसमें एक की हालत काफी गंभीर बताई गई है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोनतली इलाके में सोनतली से कलातली की ओर जा रही बाइक और विपरीत दिशा से आ रही ई-रिक्शा के बीच हुए आमने-सामने की टक्कर में बाइक में सवार दो और ई-रिक्शा में सवार छह लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए सोनतली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां पर सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल महिबूल इस्लाम को चिकित्साकों ने उन्नत चिकित्सा के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। पुलिस दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है।

तापमान

अधिकतम 33°

न्यूनतम 26°

चानडुबी के राजापाड़ा में पेड़ गिरने से पिता और पुत्र की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप जिले के चानडुबी क्षेत्र के राजापाड़ा में एक दर्दनाक हादसे में पेड़ गिरने से पिता और उनके आठ वर्षीय पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान कार्तिक राभा और उनके आठ वर्षीय पुत्र भृगुमणि राभा के रूप में की गई है। बताया गया है कि दोनों एक स्कूटी पर सवार होकर अपने एक रिश्तेदार के घर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक एक पेड़ उनके ऊपर गिर पड़ा, जिससे पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्य के छह जिलों में उद्योगों को मिलेगी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति, ऐतिहासिक समझौता संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। असम के औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। राज्य सरकार की औद्योगिक विकास पहल के तहत पहली बार ऊपरी असम में उत्पादित प्राकृतिक गैस नॉर्थ ईस्ट गैस ग्रिड के माध्यम से असम के उत्तरी तटवर्ती क्षेत्रों से होते हुए बाईहाटा चारिआली तक पहुंचाई जाएगी। भविष्य में इस आपूर्ति को गुवाहाटी तथा राज्य के अन्य हिस्सों तक भी विस्तारित करने की योजना है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व तथा सदिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं नॉर्थ ईस्ट गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनईजीडीसीएल) के अध्यक्ष बोलिन

चेतिया के मार्गदर्शन में इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल किया गया है। यह पहल राज्य में उद्योगों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को स्वच्छ, सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। एलपीजी आपूर्ति संकट से जूझ रहे उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए यह परियोजना बड़ी राहत लेकर आई है। प्रारंभिक चरण में दरंग, उदालगुड़ी, शोणितपुर, बिश्वनाथ, लखीमपुर और धेमाजी जिलों के औद्योगिक एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार, इन जिलों के उद्योगों और व्यवसायों को घरेलू स्तर पर उत्पादित प्राकृतिक गैस उपलब्ध होने से ईंधन लागत में कमी आएगी और पर्यावरण अनुकूल औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल असम को उद्योग-अनुकूल और सतत विकास वाले राज्य के रूप में स्थापित करने में भी सहायक होगी। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के तहत एनईजीडीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार बरुवा ने मंगलवार को गैस आपूर्ति के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड के साथ गैस सेल एग्रीमेंट (जीएसए) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता देश में आयातित एलपीजी पर निर्भरता कम करने तथा विदेशी मुद्रा भंडार के संरक्षण के केंद्र सरकार के प्रयासों को भी मजबूती प्रदान करेगा।

म्यांमार के मीडिया संस्थानों पर प्रतिबंध हटाने की पीईसी की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। वैश्विक मीडिया सुरक्षा एवं अधिकार संगठन प्रेस एम्बलम कैंपेन (पीईसी) ने म्यांमार की सैन्य-नियंत्रित सरकार द्वारा 97 मीडिया संस्थानों पर लगाए गए प्रतिबंधों पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी प्रकार के प्रतिबंध, लाइसेंस निरस्तीकरण और नियंत्रणात्मक कदमों को तत्काल वापस लेने की मांग की है। हाल ही में म्यांमार के तीन और मीडिया संस्थानों-म्याएलाट अथान, रेड न्यूज एजेंसी और एशिया सिटिजन्स-के परिचालन लाइसेंस रद्द किए जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त हुए पीईसी ने नायपीतॉ स्थित सरकार से सभी मीडिया संगठनों को स्वतंत्र और निष्पक्ष वातावरण में कार्य करने की अनुमति देने का आग्रह किया। पीईसी के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया प्रतिनिधि नव ठाकुरिया ने आज कहा कि पीईसी के अध्यक्ष ब्लेज लेम्पेन ने सभी स्वतंत्र मीडिया संस्थानों और प्रकाशन गृहों को बिना किसी हस्तक्षेप के अपना कार्य करने की स्वतंत्रता देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि म्यांमार की इंडिपेंडेंट प्रेस काउंसिल के अनुसार देश प्रेस स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों के मामले में दुनिया के सबसे खराब देशों में बना हुआ है। उन्होंने नव-नियुक्त राष्ट्रपति मिन आंग हलाइंग से मीडिया पर लगाए गए सभी प्रकार के प्रतिबंधों में ढील देने की पहल करने का आह्वान किया। नव ठाकुरिया ने यहां आज कहा कि 1 फरवरी, 2021 को सैन्य तख्तापलट के बाद से अब तक

215 से अधिक मीडिया कर्मियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 18 पत्रकार अब भी हिरासत में हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने वाले गैर-लाभकारी संगठन अथान के अनुसार वर्ष 2026 की पहली तिमाही में सैन्य शासन द्वारा किसी भी पत्रकार की नई गिरफ्तारी की सूचना नहीं मिली है। संगठन के आंकड़ों के अनुसार मार्च 2026 तक आम माफी के तहत सात पत्रकारों को रिहा भी किया गया।

रंगिया : अभामामस ने किया योग सत्र का आयोजन, बच्चों को करवाया योगाभ्यास

रंगिया (विभास)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रंगिया के वार्ड नंबर-4 स्थित स्थानीय आर्ट स्कूल में किया गया, जिसमें उक्त स्कूल के बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। योग सत्र के दौरान कुल 20 से अधिक बच्चों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराने के साथ-साथ योग के महत्व का प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए योग को अपने दैनिक जीवन में अनिवार्य रूप से शामिल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत में शाखा की ओर स्कूल के आर्ट शिक्षक रूपम कलिता को असम की परंपरा और सम्मान का प्रतीक *फुलाम गामोछा* पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही योग सत्र में भाग लेने वाले सभी बच्चों को संस्था की तरफ से उपहार भी भेंट किए गए। बच्चों को योगाभ्यास कराने की मुख्य जिम्मेदारी शाखा सदस्य गुंजन लुंडिया ने बखूबी निभाई वहीं इस पूरे योग सत्र का नेतृत्व शिखा नाथनी ने किया। मौके पर शाखा की अध्यक्षा अरुणा अग्रवाल सहित कई सदस्याएं उपस्थित रही।

भाजपा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया नमन राष्ट्रीय एकता व असम के लिए योगदान को किया याद

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश ने मंगलवार को बलिदान दिवस के अवसर पर देश के प्रखर राष्ट्रवादी नेता और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी की प्रवक्ता मीता नाथ बोरा ने जारी बयान में कहा कि 23 जून 1953 को जम्मू-कश्मीर में हिरासत के दौरान उनका निधन हुआ था और उनका बलिदान स्वतंत्र भारत के राजनीतिक इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण अध्यायों में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक शक्ति के प्रबल समर्थक थे। देश के विभाजन के बाद उन्होंने उन सभी व्यवस्थाओं का विरोध किया, जिन्हें वे राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती मानते थे। उनका प्रसिद्ध नारा-*एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे* -राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। मीता नाथ बोरा ने बताया कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर में लागू विशेष संवैधानिक व्यवस्थाओं और परमिट प्रणाली का विरोध किया था। इसी विरोध के तहत वे 1953 में जम्मू-कश्मीर गए, जहां उन्हें हिरासत में लिया गया और बाद में श्रीनगर में उनका निधन हो गया। उनके निधन की परिस्थितियों को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं तथा उनकी माता जोगमाया देवी ने भी इसकी विस्तृत जांच की मांग की थी। उन्होंने कहा कि असम के लिए डॉ. मुखर्जी का योगदान विशेष महत्व रखता है। विभाजन के समय असम और पूर्वोत्तर भारत का भविष्य अनिश्चित था। उस दौर में लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर डॉ. मुखर्जी का समर्थन और हस्तक्षेप मिला, जिसने असम को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसलिए असम की जनता उन्हें केवल राष्ट्रीय नेता के रूप में नहीं, बल्कि राज्य के हितैषी और संरक्षक के रूप में भी याद करती है। बोरा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने असमिया भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं सम्मान को भी महत्व दिया। कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति रहते हुए उन्होंने आधुनिक भारतीय भाषाओं के अध्ययन में असमिया भाषा को शामिल करने की पहल की, जिससे असमिया भाषा को शैक्षणिक स्तर पर नई पहचान मिली। उन्होंने कहा कि आज जब असम विकास, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को कृतज्ञता के साथ स्मरण करना आवश्यक है।

कुमार भास्कर वर्मा सेतु पर पत्नी का जन्मदिन मनाने पर व्यवसायी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित कुमार भास्कर वर्मा सेतु पर पत्नी का जन्मदिन मनाकर सोशल मीडिया पर चर्चा में आए व्यवसायी गौतम बरुवा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, गौतम बरुवा ने अपनी पत्नी करबी बरुवा तथा मित्रों के साथ पुल के ऊपर जन्मदिन समारोह आयोजित किया था। सार्वजनिक स्थान पर इस प्रकार आयोजन किए जाने और यातायात सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर पुलिस ने जांच शुरू की थी। मामले में पुलिस ने गौतम बरुवा के अलावा उनकी पत्नी करबी बरुवा समेत कुल 14 अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। साथ ही समारोह में इस्तेमाल की गई व्यवसायी की चार गाड़ियों को भी जब्त कर लिया गया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद घटना को लेकर व्यापक प्रतिक्रिया सामने आई थी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कदम उठाए। गुवाहाटी के डीसीपी (ट्रैफिक) जयंत सारथी बरुवा ने बताया कि यातायात और सार्वजनिक सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के आरोप में संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गोसाईगांव : बिजली की चपेट में आने से हाथी की मौत

कोकराझाड़ (विभास)। सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) की 31वीं बटालियन, जामदुआर की ई कंपनी क्षेत्र के अंतर्गत फूलकुमारी गांव के पास आज एक हाथी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम और सुरक्षा बल के जवान तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि हाथी की मौत बिजली का करंट लगने से हुई है। बताया जा रहा है कि स्थानीय ग्रामीणों ने अपने केले के बाग को जंगली हाथियों से बचाने के लिए चारों ओर अवैध रूप से बिजली का तार (फेंसिंग) लगा रखा था। आज सुबह जब जंगली हाथियों का एक झुंड वहां से गुजर रहा था, तो उनमें से एक हाथी इस जानलेवा तार की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। फिलहाल वन विभाग की टीम स्थिति का जायजा ले रही है।

होजाई के धलपुखुरी गांव में मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न, 871 मरीजों ने उठाया लाभ

होजाई (निसं)। धलपुखुरी गांव पंचायत प्रांगण में 21 जून 2026 (रविवार) को एक विशाल मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। डिफू चिकित्सा महाविद्यालय और होजाई रामकृष्ण सेवाश्रम के सहयोग से आयोजित इस शिविर में कुल 871 मरीजों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें दवाइयां वितरित की गईं। शिविर में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध रहे व मरीजों को डॉक्टरों के परामर्श के साथ-साथ मुफ्त दवाइयां भी प्रदान की गईं। अध्यक्ष मदन घोष और सचिव बादल चंद्र दास ने शिविर की सफलता पर डिफू चिकित्सा महाविद्यालय, होजाई रामकृष्ण सेवाश्रम की मेडिकल टीम और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजनों से जरूरतमंद लोगों को घर के पास ही बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल पाता है।

गुवाहाटी के किराए के मकान में युवती का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के ससल क्षेत्र स्थित एक किराए के मकान में एक युवती को मृत अवस्था में पाए जाने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है। मृतका की पहचान असम के लखीमपुर जिले के ढाकुवाखाना निवासी पारुलमणि पेगु के रूप में हुई है। वह पिछले तीन महीनों से त्रिवेणी पथ स्थित एक किराए के मकान में रह रही थीं और रिलायंस बीमा कंपनी में कार्यरत थीं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सोमवार सुबह से ही उनका कमरा बंद था, जिससे आसपास के लोगों को संदेह हुआ। परिजनों ने दिनभर उनसे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनका मोबाइल फोन बंद या अनुत्तरित रहा। रात को परिजन और सहकर्मी मकान पहुंचे, जहां उन्होंने कथित तौर पर कमरे के भीतर युवती को फंदे से लटका हुआ पाया। सूचना मिलने पर दिसपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है तथा मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। इस बीच, मृतका के कुछ सहकर्मियों ने दावा किया कि वह कई वर्षों से एक विवाहित व्यक्ति के साथ संबंध में थीं और हाल ही में उन्हें उसके विवाहित होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद वह मानसिक रूप से परेशान चल रही थीं। हालांकि, इन दावों की जांच एजेंसियों द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। मामले में एक नया मोड़ तब आया जब तकाम मिसिंग पोरिन केबांग (टीएमपीके) के एक नेता ने आज युवती की मौत पर संदेह व्यक्त करते हुए इसे सुनियोजित हत्या की आशंका से जोड़ दिया।

कामरूप में जनगणना 2027 के तहत फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण शुरू

अमीनगांव। आगामी जनगणना अभियान की तैयारियों के हिस्से के रूप में मंगलवार को कामरूप जिले में जनगणना 2027 के संदर्भ में फील्ड ट्रेनर्स (क्षेत्रीय प्रशिक्षकों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। यह कार्यक्रम दो बैचों में आयोजित किया जा रहा है। पहला बैच 23 जून से शुरू हुआ और 25 जून तक जारी रहेगा, जबकि दूसरा बैच 29 जून से 1 जुलाई 2026 तक निर्धारित है। ये सत्र प्रतिदिन सुबह 9-30 बजे से बायो-टेक पार्क, अमीनगांव के सम्मेलन कक्ष (कांफ्रेंस हॉल) में आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कामरूप के जिला उपायुक्त और मुख्य जनगणना अधिकारी, देब कुमार मिश्रा ने जनगणना प्रक्रिया के दौरान सटीक और विश्वसनीय डेटा एकत्र करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जनगणना कार्यों के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में फील्ड ट्रेनर्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उनके संबोधन के बाद, नॉर्थ गौहाटी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तारिणी कांत हालौई और डायट कामरूप की व्याख्याता डॉ. शिरोमणि भुइयां द्वारा प्रशिक्षण सत्र संचालित किए गए। प्रशिक्षण के पहले दिन जनगणना 2027 के कानूनी पहलुओं और जनगणना के बुनियादी सिद्धांतों से संबंधित विषयों को शामिल किया गया, साथ ही मकानों की सूची बनाने (हाउस-लिस्टिंग) की प्रक्रियाओं का एक संक्षिप्त विवरण भी प्रदान किया गया।

एसीए ने अंशुमान भगवती को क्रिकेट स्ट्रैटेजी और टेक्निकल कंसल्टेंट नियुक्त किया

गुवाहाटी। असम के पूर्व क्रिकेटर अंशुमान भगवती को असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) का *क्रिकेट स्ट्रैटेजी और टेक्निकल कंसल्टेंट* तीन साल के लिए नियुक्त किया गया है। भगवती ने 1994-95 और 1998-99 के घरेलू सीजन के बीच फर्स्ट-क्लास और लिस्ट ए क्रिकेट में असम का प्रतिनिधित्व किया। वह उस असम टीम के कप्तान भी थे जिसने 1994-95 सीजन में विजय मर्चेंट ट्रॉफी (यू-16) जीतकर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। अपने खेलने के करियर के बाद, भगवती कोचिंग और क्रिकेट एडमिनिस्ट्रेशन में आ गए और युवा क्रिकेटरों के विकास के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में ग्रासरूट क्रिकेट में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें लीसेस्टर में सिटी क्रिकेट एकेडमी की स्थापना भी शामिल है; इस एकेडमी ने उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने और विकसित करने में अहम भूमिका निभाई है। असम क्रिकेट एसोसिएशन अंशुमान भगवती को शुभकामनाएं देता है और इस महत्वपूर्ण भूमिका में उनके बहुमूल्य योगदान की उम्मीद करता है।

कोकराझाड़ में अखिल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन की जिला समिति गठित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के चिताला में आयोजित एक साधारण सभा के दौरान *अखिल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन* की नई कोकराझाड़ जिला समिति का गठन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन को मजबूती प्रदान करने और स्थानीय मुद्दों पर सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य से 11 सदस्यीय *एडहॉक समिति* गठन की गई। गठित की गई नई समिति में निम्नलिखित पदाधिकारी प्रमुख रूप से शामिल हैं- अध्यक्ष चंदन साहा, वर्किंग अध्यक्ष श्यामल दे और मदन आचार्य, साधारण सचिव देवा सरकार को लेकर 11 जनीय जिला समिति गठन किया गया। इस अवसर पर

संगठन के केंद्रीय नेतृत्व की उपस्थिति विशेष रही। सभा में अखिल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन के केंद्रीय उपाध्यक्ष गोपाल घोष और केंद्रीय साधारण सचिव इंद्रजीत देबनाथ मुख्य रूप से उपस्थित थे। केंद्रीय नेताओं की देखरेख में ही जिला समिति का विधिवत गठन किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और बंगाली समुदाय के हितों के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने का संकल्प लिया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

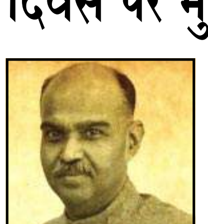

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को महान राष्ट्रवादी नेता, प्रखर शिक्षाविद् एवं जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा कि *राष्ट्र सर्वोपरि* के आदर्श को लेकर डॉ. मुखर्जी ने जिस अपराजेय संघर्ष, त्याग और अटूट राष्ट्रनिष्ठा का परिचय दिया, वह आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि भारत माता की सेवा के लिए समर्पित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणा का उज्ज्वल स्रोत बना रहेगा। उन्होंने उनके बलिदान दिवस पर उन्हें गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

अंबुवासी मेला में श्रद्धालुओं की सेवा में जुटीं सामाजिक संस्थाएं

गुवाहाटी। गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ पर स्थित ऐतिहासिक शक्तिपीठ कामाख्या धाम में अंबुबासी मेला के आयोजन के चलते समूचा क्षेत्र धार्मिक वातावरण से ओतप्रोत है। नीलाचल पहाड़ की तलहटी के आसपास चारों ओर सांधु-संतों के साथ ही लाखों की संख्या में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा रही है। अंबुबासी मेला में आए साधु-संतों एवं श्रद्धालुओं की सेवा के लिए सरकार के साथ ही सामाजिक एवं धार्मिक संगठन, संस्थाओं के द्वारा अलग-अलग सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। इस कड़ी में मध्यदेशीय वैश्य

महासभा के द्वारा अंबुबासी मेले में श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क पेयजल, ग्लूकोज, बिस्कुट आदि का वितरण किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में अन्य संस्थाओं के द्वारा भी सेवा कार्य लगातार चलाए जा रहे हैं। इस बीच विश्व हिंदू परिषद के द्वारा भी स्वास्थ्य जांच शिविर भी मेला परिक्षेत्र में लगाए गए हैं, जहां पर श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच के साथ इलाज भी किया जा रहा है। मेला परिक्षेत्र में सेवा कार्य अंबुबासी महोत्सव की निवृत्ति यानी 26 जून तक जारी रहेगा। अंबुबासी महोत्सव की प्रवृत्ति यानी शुभारंभ 22 जून को हुआ था।

संपादकीय

जंगल के आर्थिक कारनामे

जंगल की विशालता में हिमाचल की आर्थिक क्षमता का एक सर्वेक्षण सामने आया है। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक सर्वे से यह अनुमान लगाया गया है कि जंगल से कितनी आर्थिक खुशहाली हासिल की जा सकती है। मोटे तौर पर 22600 करोड़ के खजाने का आकलन हुआ है। जंगल का पहली बार मूल्यांकन नहीं हो रहा, इससे पहले भी परिभाषाएं बनीं, मूल्य और मोल तय हुए, लेकिन कोई परिपाटी नहीं बनीं। हम हर साल मंडी शहर में बिकते फालसों के आगमन पर याद करते हैं कि जंगल हमें क्या कुछ दे सकता है। लुंगड़ू की बिक्री में जंगल की शीतल जमीन भी महक उठती है या ब्रांस की लाली में शरबत के घूंट या चटनी का चम्मच, अपने साथ एक पूरा बाजार उपस्थित करता है। किन्नौर और पांगी घाटी के चिलगोजे हों या चुपके से निकलती गुच्छी हो, इनकी कीमत के चर्चे पूरे संसार में होते हैं। जंगल दरअसल समझे ही नहीं और न ही इन्हें आर्थिक पेशकश में उगाने की पहल हुई। हम चीड़ को जंगल और इसके ईर्द-गिर्द रही कमाई को ही पूर्ण मानते रहे, जबकि जंगल के कई भूगोल, कई अर्थशास्त्र और कई कारनामे हैं। कुल्लू व लाहुल-स्पीति घाटी की ही संभावनाओं को तोलें तो सारा आयुर्वेद यहां की जड़ी-बूटियों की शरण में चला जाता है। अगर चंबा और तमाम ट्राइबल एरिया में जंगल घोषित जमीन की उत्पादकता पर गौर करें, तो बेशकीमती पैदावार के रूप में सीबक थार्न से लेकर केसर तक हमारी पहुंच हो सकती है। कभी इनसानों की बस्तियों के करीब चरागाहें होती थीं, जो अब चीड़ की पत्तियों से आग की भ्ट्ठी बन रही हैं। कहना न होगा कि अगर जंगल के भीतर पशु व वन्य प्राणी आहार पद्धतियां विकसित कर लें, तो दूध, मांस-मछली जैसे उत्पाद वनों से सदा-सदा के लिए दोस्ती कर लेंगे। हमारा मानना है कि हिमाचल में जंगल और जंगल भूमि का पुनर्गठन होना चाहिए। जिस परिभाषा को कानूनी दृष्टि से वन विभाग चलाता है, वहां एक पेड़ की निशानियों में हजारों संभावनाएं नष्ट हो रही हैं। वन विभाग और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के साथ वानिकी व कृषि विश्वविद्यालय भी शामिल किए होते, तो वन खेती के परिदृश्य में भविष्य के तर्क और सशक्त होते। अगर वन विभाग बंदरों, सूअरों और नील गाय जैसे वन्य प्राणियों को आश्रय में ले ले, तो ग्रामीण आर्थिकी के लिए यह सौगात होगी। हमने जंगल वहां उगाए हैं, जहां मानवीय विकास के कई विकल्प पैदा हो सकते थे। उदाहरण के लिए कांगड़ा में अगर फॉरेस्ट के तहत ग्रीन टी का उत्पादन जुड़ जाता, तो यह राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार में हिमाचल की बेशकीमती पेशकश होती। इसी तरह आबो हवा के अनुरूप जंगलों में तरह-तरह के पौधे, झाड़ियां व फूल उगाए जा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जंगल आधारित आर्थिकी का प्रसार हो रहा है। चीन जैसे देश केवल हर्बल उत्पादों से पंद्रह हजार करोड़ का धंधा कर रहे हैं, तो हिमाचल में भी यह संभावना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैनफ (हिबिस्कस कैनाबिनस) नामक पौधे पर काफी तेजी से अध्ययन एवं शोध में पाया गया है कि इसकी खेती अब जंगलों को बादशाहत प्रदान कर सकती है। यह एक तरह की जूट की तरह लकड़ी का विकल्प बन कर, फर्नीचर और कुछ अति महंगे उत्पादों में प्रयुक्त हो रहा है। ये पौधे कृषि आधारित अर्थ व्यवस्था और परिस्थितिकीय के लिए एक अत्यंत लाभकारी एवं उपयोगी नकदी फसल के रूप में भविष्य की मांग को पूरा करेगी। कार के डैशबोर्ड, डोर पैनल, इंसुलेशन सामग्री, पशु आहार तथा इसके बीजों से 22 प्रतिशत तक उच्च पौष्टिकता के कारण खाद्य एवं औषधीय उत्पादों के काम आ सकता है। देहरा से एक अप्रवासी हिमाचली अजय सिंह ठाकुर इस पर काफी अनुसंधान कर चुके हैं। उनकी मानें तो हिमाचल में इसकी वन खेती लाखों डालर तक पहुंच सकती है।

इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक सर्वे से यह अनुमान लगाया गया है कि जंगल से कितनी आर्थिक खुशहाली हासिल की जा सकती है। मोटे तौर पर 22600 करोड़ के खजाने का आकलन हुआ है। जंगल का पहली बार मूल्यांकन नहीं हो रहा, इससे पहले भी परिभाषाएं बनीं, मूल्य और मोल तय हुए, लेकिन कोई परिपाटी नहीं बनीं। हम हर साल मंडी शहर में बिकते फालसों के आगमन पर याद करते हैं कि जंगल हमें क्या कुछ दे सकता है। लुंगड़ू की बिक्री में जंगल की शीतल जमीन भी महक उठती है या ब्रांस की लाली में शरबत के घूंट या चटनी का चम्मच, अपने साथ एक पूरा बाजार उपस्थित करता है। किन्नौर और पांगी घाटी के चिलगोजे हों या चुपके से निकलती गुच्छी हो, इनकी कीमत के चर्चे पूरे संसार में होते हैं। जंगल दरअसल समझे ही नहीं और न ही इन्हें आर्थिक पेशकश में उगाने की पहल हुई। हम चीड़ को जंगल और इसके ईर्द-गिर्द रही कमाई को ही पूर्ण मानते रहे, जबकि जंगल के कई भूगोल, कई अर्थशास्त्र और कई कारनामे हैं। कुल्लू व लाहुल-स्पीति घाटी की ही संभावनाओं को तोलें तो सारा आयुर्वेद यहां की जड़ी-बूटियों की शरण में चला जाता है। अगर चंबा और तमाम ट्राइबल एरिया में जंगल घोषित जमीन की उत्पादकता पर गौर करें, तो बेशकीमती पैदावार के रूप में सीबक थार्न से लेकर केसर तक हमारी पहुंच हो सकती है।

इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा

युद्धविराम से आगे: क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

ललित गर्ग

युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो।

अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके। इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी। इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना

में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है। दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा। इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है? भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

देश | दुनीया से

कॉकरोची सवाल व शिक्षा के असली संकट

एक काल्पनिक स्थिति के बारे में सोचिए। सत्ताधारी सरकार—जो लोगों की बात सुनने की कला के लिए विशेष तौर पर नहीं जानी जाती—उसने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की मांगों को गंभीरता से लिया है। कल्पना कीजिए कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने अपनी अंतरात्मा की आवाज फिर पा ली और उन्होंने इस्तीफ़ा दे डाला। कल्पना कीजिए कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (केंद्रीय परीक्षा एजेंसी) के अधिकारी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने लगे हैं। कल्पना कीजिए कि बारम्बार की पेपर लीक घटनाएं अतीत की बात हो गई हैं और नीट जैसी मानकीकृत कर दी गईं परीक्षाएं सुचारु रूप से आयोजित हो रही हैं। क्या यह आवश्यक तौर पर संकेत है कि ऐसी काल्पनिक परिस्थिति में शिक्षा के मुख्य चलन के साथ सब चीजें ठीक हो जाएंगी? इसका साफ़ जवाब है 'नहीं'। असल में, हमें यह समझने के लिए गहराई में जाने की ज़रूरत है कि शिक्षा की मौजूदा संस्कृति में जो बीमारी व्याप्त है, वह सिर्फ़ पेपर लीक होने या संबंधित अधिकारियों की गैर-ज़िम्मेदाराना हरकत तक सीमित नहीं है। सर्वप्रथम, अब समय आ गया है कि हममें से कुछ लोग खुलकर कहें कि नीट, जेईई या सीयूईटी जैसी एमक्यूएम-आधारित मानकीकृत परीक्षाओं का सिद्धांत ही सबसे अधिक समस्या है। असल में, मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि इन मानकीकृत परीक्षाओं की तैयारी करने की प्रक्रिया ही दिमाग को एक खास सांचे में ढाल देती है, सोचने-समझने के दायरे को सीमित कर देती है और आलोचनात्मक सोच एवं रचनात्मक कल्पनाशीलता की क्षमता को कुंद कर देती है। अगर आप ध्यान से देखें तो, भौतिकी का छात्र अपने स्कूल की भौतिकी प्रयोगशाला में इसलिए जाने से कतराता है क्योंकि उसे कोचिंग सेंटर के 'रणनीतिकार' से पढ़ना और ओएमआर शीट पर जितनी जल्दी हो सके 'सही' जवाब पर टिक लगाने की तकनीक सीखना ज़्यादा भाता है। जब शिक्षा केवल मानकीकृत परीक्षाओं का प्रशिक्षण बनकर रह जाए तो विद्यालय—जो कि गहन सीखने-सिखाने की जगह होते हैं—धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं। वे सभी चीजें जो स्कूली शिक्षा को जीवंत और आनंदमय बना सकती थीं—जैसे कि

भौतिकी और जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में विज्ञान के प्रयोगों से पैदा होने वाली जिज्ञासा; स्कूल लाइब्रेरी में नई किताबें पढ़ने और उन्हें छूने का बेपनाह आनंद; कक्षा में होने वाली गहन चर्चा और बहस; और खेल, संगीत व थिएटर का रोमांच—सब अप्रासंगिक हो जाते हैं। इसके बजाय, जो बचता है वह है 'डमी स्कूलों' की कठोर सच्चाई, कोचिंग सेंटरों का दबाव और शारीरिक रूप से थके हुए एवं मानसिक रूप से आहत किशोरों की बेचैनी, जिन्हें फुटबॉल खेलने, कोई अच्छा उपन्यास पढ़ने या लंबी सैर पर जाने के लिए शायद ही कोई 'फालतू' समय मिल पाता है। इसके अलावा, बार-बार होने वाली अभ्यास परीक्षाएं, जिनसे कोचिंग 'गुरु' लगातार छात्रों की 'गति' और 'कौशल' मापते हैं, उनके बचपन के सुनहरे सालों को बर्बाद कर देते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे अपने माता-पिता के सामने अपनी 'काबिलियत' साबित करने की कभी न खत्म होने वाली चिंता में जीते हैं, मां-बाप के लिए बच्चों के लिए 'सफलता' ही उनकी इज्जत का मोल बन जाती है। असल में, कोई भी समझदार शिक्षक और शिक्षाविद् यही कहेगा कि प्रशिक्षण का यह तरीका एक ऐसी मशीनी और बंधी-बंधाई सोच वाली मानसिकता बनाता है जो बच्चों में अस्पष्टताओं, जटिलताओं और बारीक बातों को समझने या उनके साथ जीने में पूरी तरह नाकाम कर देती है। सिर्फ़ इतना ही नहीं, इस बेचैन पीढ़ी को कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं—जैसे कि अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या के ख्यालों—का सामना करना पड़ रहा। इस बीच, भारत का 'स्याह' शिक्षा तंत्र—यानी कोचिंग फ़ैक्टरियां—चोखा धंधा कर रहे हैं। दूसरी बात, भले ही सब कुछ विवादों से मुक्त लगे, लेकिन सच तो यह है कि नीट या जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षाएं कभी भी निष्पक्ष नहीं होतीं। वर्गों और जातियों में बंटे हमारे जैसे समाज में, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि के आधार पर तमाम किस्म की असमानताएं मौजूद हैं, कोई भी मुक़ाबला निष्पक्ष नहीं हो सकता। यह समझने के लिए किसी को समाज विज्ञानी होने की ज़रूरत नहीं है कि ग्रामीण सरकारी स्कूल के किसी गरीब या निम्न-मध्यम वर्गीय लड़के के मुकाबले, किसी अमीर और ऊंचे रसूख वाले परिवार का बेटा—जो किसी ब्रांडेड कोचिंग सेंटर से खास ट्रेनिंग का खर्च उठा सकता है—वह मुक़ाबला पहले ही जीत चुका होता है। भले ही कभी-कभार आप और मैं किसी टैक्सी ड्राइवर के बेटे या गरीब किसान की बेटी के नीट या जेईई जैसे अहम इम्तिहान पास करने की असाधारण कहानी अपवादवश सुनते हों, लेकिन कड़वा सच यह है कि ये सभी इम्तिहान निष्पक्ष होने के बजाय, समाज में पहले से मौजूद सामाजिक और आर्थिक असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। इसलिए मान लेना चाहिए: एक निष्पक्ष मुक़ाबले का विचार महज़ भ्रम है, और इसलिए, मेरिटोक्रेसी (योग्यता-आधारित व्यवस्था) के तर्क वाली इस व्यवस्था को सही ठहराने का कोई कारण नहीं बनता। और आखिर में, इस पूरी बीमारी को तब तक ठीक से नहीं समझा जा सकता जब तक हम यह न देखें कि कैसे नव-उदारवाद की 'मशीनी' सोच ने शिक्षा की लोकतांत्रिक और आज़ाद बनाने वाली क्षमता को खत्म कर डाला है। जैसे-जैसे बाजारवाद का सिद्धांत हावी हो रहा है, शिक्षा सिर्फ़ ऐसी नौकरियों के लिए प्रशिक्षण बनकर रह गई है जो टेक्नो-कॉर्पोरेट मशीन की आर्थिक उत्पादकता बढ़ाती हैं।

आप का | नजरीया

अढ़ाई अरब डॉलर का कर्ज

यह ईरान युद्ध और उससे उपजे संकटों और प्रभावित सप्लाई चेन के फलितार्थ हैं। मई में भारत का निर्यात 45.20 अरब डॉलर था, जबकि आयात 73.41 अरब डॉलर का करना पड़ा। नतीजतन एक ही माह में व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर का रहा। भारत का राजकोषीय घाटा और चालू खाता घाटा भी बढ़े हैं। राजकोषीय घाटा जीडीपी के 1 फीसदी से अधिक तक बढ़ सकता है। हमारी मुद्रा 'रुपए' का अवमूल्यन होता रहा है। अब कुछ पैसे कम हुआ है, लेकिन अब भी 94 रुपए से अधिक है। महंगाई की दर 10 फीसदी तक पहुंचने को है। बेरोजगारी की दर भी बढ़ी है। युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की सबसिडी का बोझ बहुत बढ़ा है, लिहाजा सरकारी पूंजी के अलावा, अतिरिक्त स्रोतों की तलाश सरकार कर रही है। खबर आई है कि भारत सरकार विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक से 2.5 अरब डॉलर का कर्ज लेने पर विचार कर रही है। भारतीय मुद्रा में यह कर्ज 23,600 करोड़ रुपए से अधिक का होगा। इसमें से 14,160 करोड़ रुपए विश्व बैंक और 9440 करोड़ रुपए एशियाई विकास बैंक से कर्ज लिया जा सकता है। कर्ज की घोषणा आगामी दो माह में, कभी भी, की जा सकती है। यह 'ब्लूमबर्ग' की रपट भी है। इस तरह अब भारत पर विश्व बैंक का कुल बकाया कर्ज करीब 39.3 अरब डॉलर (करीब 3.30 लाख करोड़ रुपए) है। यह कर्ज भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच 5-साला समझौते का हिस्सा होगा, जिसके तहत 8-10 अरब डॉलर की सालाना वित्तीय मदद का प्रावधान है। यह भी देश के सामने स्पष्ट होना चाहिए कि भारत विश्व बैंक से सबसे अधिक कर्ज लेने वाले देशों की सूची में शीर्ष स्थान पर है। चिंतित सरोकार यह नहीं है कि ईरान युद्ध के कारण भारत में कर्ज लेने की नौबत आ गई है। अमरीका अपनी कुल जीडीपी से काफी ज्यादा करीब 39 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज में है। युद्ध के कारण भारत, अमरीका समेत ब्रिटेन, जापान, द. कोरिया, चीन, रूस, जर्मनी, फ्रांस, इटली, सिंगापुर, कनाडा सरीखे देशों की जीडीपी गिरी है। इस सूची में जी-7 के सभी देश शामिल हैं। ईरान की जीडीपी 6 फीसदी से अधिक लुढ़की है।

दरअसल जब अमरीका-ईरान के बीच समझौते के दस्तावेज पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने दस्तखत किए थे, तो शेष विश्व के साथ भारत ने भी राहत की सांस ली थी, लेकिन बीते दो-तीन दिनों में (19-21 जून) राष्ट्रपति ट्रंप ईरान को लगातार हमले की धमकियां देते रहे हैं, इजरायल ने लेबनान-हिज़्बुल्ला पर 200 से अधिक हमले किए हैं, जिसमें कई हताहत हुए हैं, समझौता-वार्ता ना-नुकर के बीच ही घिसट रही है। ईरान ने होर्मुज को फिर बंद कर दिया है, हालांकि अमरीका का दावा इससे बिल्कुल उलट है। उसने 55 जहाजों-टैंकरों के गुजरने का दावा किया है। भारत के तीन टैंकर 8.6 लाख टन कच्चा तेल लेकर होर्मुज पार कर चुके हैं। हालात समझौते वाले नहीं लगते, लेकिन ट्रंप समझौते को लेकर बेहद उतावले और निराश हैं, लिहाजा संकट और किल्लत के आसार यथावत हैं। मई में खाद्य तेल 49.82 फीसदी महंगा हुआ है। कपड़ा, खाद, तेल-गैस आदि की कीमतें भी उछाल पर हैं। हालांकि 21 जून को कच्चे तेल की कीमत 81 डॉलर प्रति बैरल से अधिक थी। भारतीय बास्केट तो इससे महंगी होगी। इन संकटों के अलावा, अल-नीनो का खतरा मंडरा रहा है। कृषि अर्थशास्त्रियों के आकलन हैं चूंकि इस बार मॉनसून 38-40 फीसदी कमजोर रह सकता है, लिहाजा जुलाई और उसके बाद का वक्त 'तनावपूर्ण' हो सकता है। तिलहन, सोयाबीन, दालों और सब्जियों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं, लिहाजा इनका महंगा होना स्वाभाविक है। दिवाली के आसपास महंगाई अधिक होने के आसार हैं। क्या भारत सरकार के भीतर इन परिस्थितियों पर विमर्श किया जा रहा है? किसानों की कतारें खाद के लिए दिखने लगी हैं। बहरहाल कर्ज की राशि शहरी बुनियादी ढांचे, निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन, आर्थिक विकास आदि पर खर्च करने की बात कही गई है।

नतीजतन एक ही माह में व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर का रहा। भारत का राजकोषीय घाटा और चालू खाता घाटा भी बढ़े हैं। राजकोषीय घाटा जीडीपी के 1 फीसदी से अधिक तक बढ़ सकता है। हमारी मुद्रा 'रुपए' का अवमूल्यन होता रहा है। अब कुछ पैसे कम हुआ है, लेकिन अब भी 94 रुपए से अधिक है। महंगाई की दर 10 फीसदी तक पहुंचने को है। बेरोजगारी की दर भी बढ़ी है। युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की सबसिडी का बोझ बहुत बढ़ा है, लिहाजा सरकारी पूंजी के अलावा, अतिरिक्त स्रोतों की तलाश सरकार कर रही है। खबर आई है कि भारत सरकार विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक से 2.5 अरब डॉलर का कर्ज लेने पर विचार कर रही है। भारतीय मुद्रा में यह कर्ज 23,600 करोड़ रुपए से अधिक का होगा। इसमें से 14,160 करोड़ रुपए विश्व बैंक और 9440 करोड़ रुपए एशियाई विकास बैंक से कर्ज लिया जा सकता है। कर्ज की घोषणा आगामी दो माह में, कभी भी, की जा सकती है। यह 'ब्लूमबर्ग' की रपट भी है। इस तरह अब भारत पर विश्व बैंक का कुल बकाया कर्ज करीब 39.3 अरब डॉलर (करीब 3.30 लाख करोड़ रुपए) है। यह कर्ज भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच 5-साला समझौते का हिस्सा होगा, जिसके तहत 8-10 अरब डॉलर की सालाना वित्तीय मदद का प्रावधान है। यह भी देश के सामने स्पष्ट होना चाहिए कि भारत विश्व बैंक से सबसे अधिक कर्ज लेने वाले देशों की सूची में शीर्ष स्थान पर है। चिंतित सरोकार यह नहीं है कि ईरान युद्ध के कारण भारत में कर्ज लेने की नौबत आ गई है। अमरीका अपनी कुल जीडीपी से काफी ज्यादा करीब 39 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज में है।

कुछ | अलग

आगे का कार्यक्रम क्या है

अखिल अंतरराष्ट्रीय कॉकरोच पब्लिक पार्टी (एएसीपीपी) के अधिवेशन में एक बूढ़ा तिलचट्टा अंत तक चुपचाप बैठा रहा। जब उससे पूछा गया, 'आप प्रसन्न क्यों नहीं हैं?' वह लंबी सांस लेते हुए बोला, 'मुझे मनुष्य के नष्ट होने की चिंता नहीं है।' 'फिर डर किस बात का?' वृद्ध तिलचट्टा बोला, 'डर इस बात का है कि कहीं पृथ्वी का पुनर्निर्माण करते-करते हम भी मनुष्य जैसे न हो जाएं।' सभा में सन्नाटा छा गया। तभी किसी ने गोदाम की बत्ती जला दी। रोशनी पड़ते ही पूरा पंडाल अस्त-व्यस्त हो गया। अनुभवी से अनुभवी कॉकरोच भी घबरा उठे। जो जिस दिशा में भाग सकता था, भागा। कोई टूटे संदूक के नीचे घुस गया, कोई फटी बोरी के पीछे, कोई दीवार की झिरी में समा गया। रात उजेरी हो चुकी थी और सारे कॉकरोच हड़बड़ाहट में जहां जगह मिली, वहीं छिप गए। कुछ ही क्षणों में विशाल अधिवेशन स्थल खाली था। लेकिन उनकी कही हुई बात अंधेरे से निकलकर बाहर अब भी रेंग रही थी। उधर मानव जगत में विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे थे कि यदि मनुष्य ने पर्यावरण, जल, जंगल, मिट्टी और जलवायु के साथ अपना यही व्यवहार जारी रखा, तो पांच महाविनाश झेल चुकी पृथ्वी छठी बार तबाह होगी। फर्क केवल इतना होगा कि पिछले विनाशों की तरह इस विनाश के लिए कोई उल्का, ज्वालामुखी या हिमयुग ज़िम्मेदार नहीं होगा। इस बार स्वयं को पृथ्वी का सबसे बुद्धिमान प्राणी कहने वाला मानव अभियुक्तों के कटघरे में खड़ा होगा। विशेषज्ञ यह भी कह रहे थे कि ऐसी स्थिति में मनुष्य की अनेक उपलब्धियां- उसका राष्ट्रवाद, उसकी अर्थव्यवस्था, उसकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उसके युद्धपोत, उसके चुनावी घोषणापत्र और उसका हज़ारों वर्षों का गौरवशाली इतिहास- शायद उसे बचा न सकें।

दृष्टि | कोण

जानलेवा बनती शिलाखंडों की बारहमासी बरसात

आजकल उत्तराखंड व हिमाचल में कई जगहों पर बरसात हो न हो, अचानक शिलाखण्डों का गिरना, पत्थरों के मलबों की बौछारों का होना असामान्य नहीं है। जब ये किसी वाहन, व्यक्ति या घर पर गिर जाते हैं और जानमाल की क्षति हो जाती है तो खबर हो जाती है। अन्यथा खाली सड़क पर या निर्जन क्षेत्रों में हों तो ये आम भूस्खलन भर मान लिये जाते हैं। कभी देखते ही देखते विशालकाय पर्वत खण्डों का ऐसा ढहना होता है कि लगता है कि जैसे पूरा का पूरा पहाड़ ही जमीन पर आ जायेगा। हर साल पहाड़ों से गिरते पत्थर लोगों को ही नहीं, पशुधन को भी हताहत कर देते हैं। इस साल भी उत्तराखंड में जून माह में ही ऐसी कई घटनाओं में मौतें भी हुई हैं व वाहन भी दबे हैं। पहाड़ों में सड़कें जैसे-जैसे चौड़ी की जाने लगती हैं तो पहाड़ों को ज्यादा गहराई तक काटना होता है। पहाड़ों या शिलाओं को तोड़ने के लिए बिस्फोटों का उपयोग भी आवश्यक हो जाता है। ऐसे में सड़कों पर आपदायें भी ज्यादा गहराने लगती हैं। जगह-जगह ऐसे लिखे बोर्ड लगे हैं कि सड़कों के इन हिस्सों में रुके रहना भी खतरनाक है। वाहन चालकों के लिए सलाह लिखी रहती है—रुकें, देखें, तब चलें। चिंताजनक यह है कि कुछ क्षेत्रों में भूवैज्ञानिकों व अभियंताओं के सुझाये उपायों के क्रियान्वयन के बाद सालों साल से भूस्खलन रुकता ही नहीं है। यह हर मौसम में लगातार होता रहता है। यहां मार्ग बन्द होते, खुलते, फिर बंद होते रहते हैं। इनके पास मलबा हटाने वाली मशीनों व कर्मियों को नियमित तैनाती भी कर दी जाती है। सड़कों के खुलने पर भी पहाड़ी पर अटके जमा टनों मलबे से पत्थर भी गिरते रहते हैं। पैदल यात्री व वाहन जोखिमों के साये में ऊपर खिसकते मलबे पर टकटकी लगाये भूस्खलन क्षेत्रों को पार करते हैं। काम भर सड़क खोलने की जल्दी में मुख्यतः दो बातें होती हैं। ये दोनों बातें कभी भी पत्थरों की अचानक बौछारों के जोखिम भी बढ़ा देते हैं। एक है मशीनों से जैसे-तैसे पहाड़ों को गहराई तक काट वाहनों की आवाजाही के लिए राह देने के दबावों के बीच मलबा कटान व उत्खनन से अपेक्षाकृत स्थिर ढाल भी अस्थिर

बन जाते हैं। पहाड़ों में भूस्खलनों को हटाने के लिए विस्फोट भी करना पड़ता है। लेकिन उन्हें स्थिर करने या रोक दीवार बनाने का आवश्यक काम उपेक्षित रह जाता है। जल्दी में यह हो भी नहीं सकता है। जिन दिनों भूस्खलन से कुछ राहत रहती है तब भी नहीं किया जाता है। इस कारण शुष्क दिनों में भी भूस्खलन होता रहता है। ऐसे में भारी बोल्डर्स भी जब-तब लुढ़कते रहते हैं। दूसरा है कि सड़क खोलने में ज्यादा देर न हो, इसलिये कुछ मलबा पहाड़ी में ही छूटा रहने दिया जाता है। यह भी किसी क्षेत्र को लगातार भूस्खलन जोन बना देता है। भूस्खलन का मलबा, जो पूरी तरह से नीचे न लाया गया या न आ पाया हो वह बरसातों में, मशीनी कम्पनों या भूकम्पकीय सक्रिय क्षेत्रों में छोटे भूकम्पों से भी पुनः ढहना शुरू कर सकता है। निरंतरता वाले भूस्खलन वाले क्षेत्रों से गिरने वाले अधिकांश पत्थर या शिलाखंड वे होते हैं जिन्हें बांधे रखने में मिट्टी व कंकर बजरी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बरसातों में पत्थरों को बांधे मिट्टी जब बहने लगती है तो पुनः पत्थर, शिलाखण्डों की बौछारें शुरू हो जाती हैं। पहाड़ी जलागम वृक्षविहीन हो रहे हैं। इससे भी भूस्खलनों व भूक्षरण में कमी लाना मुश्किल हो जाता है। ढलानों पर पत्थर मलबा कई बार केवल झाड़ियों या पेड़ों के कारण टिके रहते हैं जिन्होंने उनके लुढ़कने के राहों पर अंकुश लगा दिया होता है। किन्तु जब जंगलों की आग इन झाड़ियों, पेड़ों को जला देती है तो इनके सहारे रुके शिलाओं, मलबे का एकाएक फिर से ढहना शुरू हो जाता है। गर्मियों के माह की वनाग्नियों के बाद की बरसातें मलबा ढहने को और तेज कर देती हैं। भूस्खलन आखिर गुरुत्वाकर्षण शक्ति के वशीभूत मलबा ढहना ही तो है। उन पहाड़ियों की दरारों में जिन पर मलबा टिका है, बरसाती पानी के घुसने से भी दरारों में फैलाव आ जाता है। दरार खण्डित भूखण्डों का टूटना तेज हो जाता है। परिणामस्वरूप भूस्खलन व मलबा बिखराव पुनः प्रारंभ हो जाता है। अतः लगातार बने भूस्खलन जोखिमों के क्षेत्र में, वैज्ञानिकों की राय लेकर बरसाती जल की उचित ड्रेनेज व्यवस्था बनाना जरूरी है।

प्रयोगशाला सहायक भर्ती घोटाला : ओएमआर शीट में हेरफेर कर नौकरी पाने वाले गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में धांधली करने वाले गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2018 में हुए ओएमआर शीट फर्जीवाड़े का बड़ा खुलासा किया है। एसओजी ने फर्जी तरीके से अंक बढ़वाकर चयन सूची में शामिल हुए दो अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि जिन अभ्यर्थियों के वास्तविक अंक महज 2 और 4 थे, उन्हें ओएमआर शीट में हेरफेर कर 165 और 191 अंक दिलाकर चयनित करा दिया गया था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2018 से जुड़े मामले में एसओजी थाना में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। अनुसंधान के दौरान पता चला कि परीक्षा की ओएमआर शीट स्कैनिंग का कार्य करने वाली अधिकृत एजेंसी राभव लिमिटेड के कार्मिकों ने अभ्यर्थियों से मिलीभगत कर बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा किया था। जांच में सामने आया कि एजेंसी के कार्मिक विनोद कुमार गौड़ और शादान खान ने कुल 27 अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट में अनुचित तरीके से कांट-छांट कर उनके अंक बढ़ा दिए और उन्हें अनंतिम चयन सूची में शामिल करवा दिया। एसओजी इस मामले में पहले ही विनोद कुमार गौड़, शादान खान तथा कंपनी के कार्यकारी निदेशक रामप्रवेश सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। एसओजी के अनुसार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा संदेह के आधार पर मूल ओएमआर शीटों की दोबारा स्कैनिंग करवाई गई, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पाया गया कि करौली जिले के टोडाभीम थाना क्षेत्र के गांव नांगललाट निवासी महेन्द्र कुमार मीना (31) के प्राप्तांक स्कैनिंग के दौरान बढ़ाकर 165 अंक दर्शा दिए गए थे। जबकि मूल ओएमआर शीट की पुन: स्कैनिंग में उसके वास्तविक अंक मात्र 4 पाए गए। वहीं दौसा जिले के मंडावर थाना क्षेत्र के ग्राम नादना निवासी देवेन्द्र सिंह गुर्जर (28) के अंक स्कैनिंग के दौरान बढ़ाकर 191 दर्शाए गए थे। पुन: जांच में उसके वास्तविक अंक केवल 2 पाए गए। एसओजी ने लगातार तलाश के बाद दोनों वांछित अभ्यर्थियों को गिरफ्तार कर एसओजी मुख्यालय में पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अंक बढ़वाने के लिए आरोपितों ने एजेंसी के कार्मिकों और अधिकारियों को कितनी राशि का भुगतान किया था। एसओजी के अनुसार इस फर्जीवाड़े के जरिए अनंतिम रूप से चयनित हुए अन्य 25 संदिग्ध अभ्यर्थियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। उनकी तलाश में टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही अन्य गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। एसओजी का मानना है कि यह मामला केवल दो अभ्यर्थियों तक सीमित नहीं है, बल्कि भर्ती परीक्षा में संगठित तरीके से किए गए बड़े फर्जीवाड़े का हिस्सा है। मामले की गहन जांच जारी है और आने वाले दिनों में कई और महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

फायर सेफ्टी उपकरण नहीं लगाने पर 50 हजार देना होगा जुर्माना, डीएलबी ने जारी किए आदेश

जयपुर (हिंस)। फायर सेफ्टी उपकरण नहीं होने पर सील बिल्डिंगों को राज्य सरकार ने राहत दी है। सरकार ने आदेश जारी करके ऐसी बिल्डिंग को जिन्हें नगरीय निकायों (नगर निगम, नगर परिषद या नगर पालिका) ने फायर एनओसी या फायर उपकरण नहीं होने पर सील कर रखा है। इन्हें तीन दिन में डी-सील किया जा सकेगा। स्वायत्त शासन निदेशालय (डीएलबी) ने तीन दिन पहले आदेश जारी करके ऐसे भवनों को छूट दी है। दरअसल पिछले कुछ समय से प्रदेश के कई बड़े शहरों में रेस्टोरेंट, होटल समेत अन्य कॉमर्शियल एक्टिविटी वाले भवनों को सील किया। इनमें न तो फायर सेफ्टी उपकरण थे और न उनके पास फायर एनओसी। भवन मालिक को अपने भवन में फायर सेफ्टी उपकरण लगवा कर उसका नगरीय निकाय की फायर सेफ्टी विंग से निरीक्षण करवाना होगा। अगर 30 दिन में फायर सेफ्टी नहीं लगवाए जाते तो निकाय उस भवन को दोबारा सील कर सकेगी। दिल्ली में आगजनी की घटना के बाद के बाद पिछले दिनों राजधानी जयपुर में कुछ बड़े रेस्टोरेंट, क्लब, बार आदि सील किए गए। फायर एनओसी और पर्याप्त फायर फाइटिंग उपकरण नहीं होने के कारण इन्हें सील किया गया। डी-सील की अवधि 30 दिन की होगी। 30 दिन तक भवन मालिक अपने भवन में फायर सेफ्टी उपकरण लगवा कर उसका नगरीय निकाय की फायर सेफ्टी विंग से निरीक्षण करवाएगा। अगर 30 दिन में फायर सेफ्टी नहीं लगवाए जाते तो निकाय उस भवन को दोबारा सील करेगी। राज्य सरकार के आदेशों में डी-सील की अवधि के दौरान रेस्टोरेंट, क्लब, होटल, बार इत्यादि में कॉमर्शियल एक्टिविटी पर रोक रहेगी। इस दौरान अगर किसी भवन में कॉमर्शियल एक्टिविटी होती मिली, तो उसे तुरंत सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश सरकार अपनी जवाबदेही से बच रही प्रसुताओं की मौत चिंताजनक : गहलोत

जोधपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोटा में प्रसूताओं की मौत और जोधपुर में बिगड़ती स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को गंभीर बताते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा किया। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था, पेयजल और अधूरे विकास कार्यों को लेकर सरकार जवाबदेही से बच रही है। वे मंगलवार को जोधपुर प्रवास पर सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश सरकार की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने कोटा में प्रसूताओं की मौत और जोधपुर में प्रसूताओं की बिगड़ती तबीयत के मामलों को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि सरकार को पूरे मामले में गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए। गहलोत ने कहा कि प्रदेशभर से लाखों महिलाएं सरकारी अस्पतालों में उपचार के लिए आती हैं और यदि इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं तो यह सीधे स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा करती हैं। उन्होंने कहा कि समय पर अधिकारियों की सक्रियता और मरीजों को एम्स रेफर करना अच्छी बात है, लेकिन ऐसी नौबत ही क्यों आए, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कई स्वास्थ्य परियोजनाएं और भवन अधूरे पड़े हैं। सरकार नई घोषणाएं तो कर रही है, लेकिन पहले से तैयार ढांचे और संस्थानों का उपयोग नहीं कर पा रही। उन्होंने कहा कि पूर्व में शुरू किए गए कई सेंटर और भवन आज भी पूरी तरह संचालित नहीं हो सके हैं। कोचिंग और शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी गहलोत ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पहले बनाए गए बड़े संस्थागत ढांचे का सही उपयोग करने के बजाय सरकार दूसरी प्राथमिकताओं पर ध्यान दे रही है। उनके अनुसार, यदि समय पर योजनाओं को आगे बढ़ाया जाए तो जनता को सीधा लाभ मिल सकता है। कानून व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई। गहलोत ने कहा कि जोधपुर में हाल के घटनाक्रमों ने लोगों के बीच भय का माहौल पैदा किया है और इससे कानून व्यवस्था पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार केवल बयान दे रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति सुधरती दिखाई नहीं दे रही। गहलोत ने पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि किसी भी परियोजना का श्रेय कोई भी ले सकता है, लेकिन जरूरी यह है कि काम समय पर पूरा हो। उन्होंने पेयजल संकट का भी मुद्दा उठाते हुए कहा कि जनता परेशान है जबकि जिम्मेदार लोग मौन बने हुए हैं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाला दो दिन की सीबीआई रिमांड पर आईएएस पंकज अग्रवाल

चंडीगढ़ (हिंस)। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले में गिरफ्तार आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को पंचकूला स्थित विशेष सीबीआई कोर्ट ने दो दिन की रिमांड पर भेज दिया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा सोमवार देर रातभर पूछताछ के बाद पंकज अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें मंगलवार को पंचकूला कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के उपरांत बचाव पक्ष के वकील विशाल गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि कोर्ट ने पंकज अग्रवाल को दो दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजा है। उन्होंने बताया कि पंकज अग्रवाल पिछले महीने ही जांच में भी शामिल हो गए थे। आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल की ओर से लैपटॉप, मोबाइल और केस से संबंधित फाइल पहले ही सीबीआई को सौंपी जा चुकी है।

नई दिल्ली में 2 जुलाई को होगा विशाल वैश्य महासम्मेलन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे मुख्य अतिथि

औरैया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद की आवश्यक बैठक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुमंत गुप्ता की अध्यक्षता में नारायनपुर स्थित श्री गोपाल वाटिका आश्रम में मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में पदाधिकारियों एवं समाज के लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान संगठन विस्तार, समाज की एकजुटता एवं उत्थान को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. सुमंत गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रभक्त दानवीर भामाशाह जयंती के अवसर पर 2 जुलाई 2026 गुरुवार को नई दिल्ली स्थित फिरोजशाह भवन सभागार, बहादुर शाह जफर मार्ग में विशाल वैश्य महासम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बैठक में उपस्थित परिषद पदाधिकारियों, युवाओं, मातृशक्ति एवं वैश्य समाज के बंधुओं को कार्यक्रम के आमंत्रण पत्र भेंट कर अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

बैठक में परिषद की युवा टीम के विस्तार की घोषणा भी की गई। अभिषेक गुप्ता की देखरेख में अंकित बिश्नोई को युवा जिलाध्यक्ष, अभिषेक गुप्ता को युवा जिला महामंत्री एवं सभासद सागर पोरवाल को युवा जिला प्रभारी नियुक्त किया गया। वहीं इच्छित अग्रवाल को युवा नगर अध्यक्ष, अर्पित बिश्नोई को युवा नगर उपाध्यक्ष तथा आकाश पोरवाल को युवा नगर मंत्री बनाया गया। सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। डॉ. सुमंत गुप्ता ने बताया कि 28 जून को औरैया में दानवीर भामाशाह जयंती के उपलक्ष्य में विशाल नगर भ्रमण शोभायात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने वैश्य समाज के सभी वर्गों एवं मातृशक्ति से शोभायात्रा में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की। साथ ही स्वयं शोभायात्रा में शामिल होकर युवाओं का उत्साहवर्धन करने की घोषणा की। बैठक में श्री पोरवाल सभा रजि. औरैया के अध्यक्ष आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट एवं गहोई सेवा समिति के अध्यक्ष विष्णु गहोई ने भी समाज के लोगों से भामाशाह जयंती शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की। बैठक का संचालन जिला प्रभारी आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमन पोरवाल, प्रदेश प्रभारी शिक्षक अनूप गुप्ता, प्रांतीय उपाध्यक्ष विष्णु गहोई, जिलाध्यक्ष विपिन कुमार पोरवाल (बंटू), जिला महामंत्री नरेशचंद्र शिवहरे, नगर अध्यक्ष देवमुनि पोरवाल, संरक्षक राकेश गुप्ता बैंक वाले सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमृतसर में पुलिस मुठभेड़ के बाद विदेश में बैठे गैंगस्टर के दो गुर्गे गिरफ्तार

अमृतसर (हिंस)। अमृतसर के खलचियां क्षेत्र में मंगलवार को पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद विदेश में बैठे गैंगस्टर अमन गोट के दो कथित गुर्गों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से विदेशी निर्मित दो पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार गुर्गों की पहचान हीरा और लवजीत के रूप में हुई है। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से हीरा घायल हो गया, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि लवजीत को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों खलचियां क्षेत्र के तिमोवाल नहर डिस्ट्रीब्यूटरी के पास घूम रहे हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने इलाके में नाकाबंदी कर आरोपियों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि खुद को घिरता देख आरोपियों ने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर करीब चार राउंड फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें हीरा के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने इनके कब्जे से एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, एक जिगाना पिस्तौल तथा जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद हथियार विदेशी निर्मित बताए जा रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कंवलप्रीत सिंह, डीएसपी गुरिंदरपाल सिंह नागरा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया। एसएसपी कंवलप्रीत सिंह ने बताया कि गैंगस्टर अमन गोट मूल रूप से गुरदासपुर का रहने वाला है और वर्तमान में विदेश में बैठकर अपना नेटवर्क चला रहा है। उसके खिलाफ करीब आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह विशेष रूप से मजीठा क्षेत्र में लोगों से रंगदारी मांगने के मामलों में संलिप्त रहा है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवाद और बलिदान से मिलती है प्रेरणा : सम्राट चौधरी

पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि (बलिदान दिवस) पर मंगलवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का राष्ट्रहित, अखंड भारत और सांस्कृतिक स्वाभिमान के प्रति समर्पित जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। सम्राट चौधरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए समर्पित कर दिया। उनकी राष्ट्रसेवा, वैचारिक दृढ़ता और बलिदान को देश सदैव स्मरण रखेगा। उन्होंने कहा कि पंडित चाणक्य के बाद यदि किसी नेता ने देश को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास किया, तो उनमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ और बाद में भाजपा की कई पीढ़ियों तक *एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे* का नारा संगठन की विचारधारा का प्रमुख आधार रहा। यह नारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिया था और इसके लिए उन्होंने संघर्ष किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में जब लोकतंत्र संकट के दौर से गुजर रहा था, तब जनसंघ के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए अपने राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर काम किया। उन्होंने कहा कि बाद में वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ और संगठन ने लोकतांत्रिक मूल्यों तथा राष्ट्रहित के मुद्दों को आगे बढ़ाया। सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को और सशक्त किया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में जनता ने प्रधानमंत्री मोदी को मजबूत जनादेश दिया, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है, उसके बाद व्यक्ति और फिर पार्टी का स्थान आता है। उन्होंने भाजपा की राजनीतिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1984 में पार्टी के लोकसभा में केवल दो सांसद थे, जबकि वर्ष 2014 में भाजपा 282 सांसदों के साथ देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी। कार्यक्रम के दौरान सम्राट चौधरी ने घोषणा की कि अगले वर्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके नाम पर एक भव्य नए पार्क का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पार्क डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रनिर्माण में योगदान और उनके आदर्शों को समर्पित होगा। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे तथा सभी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

लखनऊ अग्निकांड से भाजपा मर्माहत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि सहित सभी संगठनात्मक कार्यक्रम स्थगित

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश की लखनऊ में बीते सोमवार को हुए भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की दर्दनाक मौत से धर्मनगरी काशी भी मर्माहत है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शोक व्यक्त करते हुए मंगलवार को प्रदेश भर में प्रस्तावित अपने सभी संगठनात्मक कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाले बूथ स्तरीय कार्यक्रमों सहित अन्य सभी संगठनात्मक गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। पार्टी के काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि लखनऊ में हुई इस हृदयविदारक घटना से पूरा भाजपा परिवार मर्माहत है। उन्होंने कहा कि इस अग्निकांड में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। पार्टी नेतृत्व ने मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए आज के सभी संगठनात्मक कार्यक्रम स्थगित करने का निर्णय लिया है। दिलीप पटेल ने लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुई दुर्घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि इस हादसे ने पूरे प्रदेश को स्तब्ध कर दिया है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों और परिजनों को खोया है, उनके दु:ख की भरपाई संभव नहीं है। भाजपा की संवेदनाएं पूरी तरह शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। उन्होंने दिवंगत छात्रों एवं अन्य मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। साथ ही कहा कि प्रदेश सरकार राहत एवं बचाव कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संचालित कर रही है तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। शोक संवेदना प्रकट करने वालों में पार्टी के क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर, राजेश राजभर, अनिल श्रीवास्तव, श्रीप्रकाश शुक्ला, संजय सोनकर, सुरेश सिंह, सुरेंद्र पटेल, प्रवीण सिंह गौतम सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

धर्म और संस्कार हमारी पहचान हैं : राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

झुंझुनू (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि धर्म और संस्कार हमारी पहचान हैं तथा इन्हें आने वाली पीि?यों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। महायज्ञ जैसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, भाईचारे और आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि 108 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ का मूल उद्देश्य विश्व शांति, जनकल्याण और पर्यावरण संरक्षण है। यज्ञ की प्रत्येक आहुति लोकमंगल और मानवता के कल्याण की भावना से समर्पित की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को राजस्थान में झुंझुनू जिले के पचलंगी गांव के झढ़ाया बालाजी धाम में आयोजित 108 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ में आहुति देने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल बागड़े ने अपने उद्बोधन में रामायण और महाभारत को विश्व के महानतम ग्रंथ बताते हुए भारतीय संस्कृति, दर्शन और ज्ञान परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने गीता प्रेस के संस्थापक हनुमान प्रसाद पोद्दार का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भारत रत्न जैसे

सर्वोच्च सम्मान को स्वीकार करने के बजाय समाज सेवा को प्राथमिकता दी। उन्होंने आमजन से उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। राज्यपाल ने महर्षि पतंजलि द्वारा लगभग 2200 वर्ष पूर्व प्रतिपादित योग दर्शन का भी उल्लेख करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक श्रेष्ठ पद्धति है। उन्होने भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समाज और लोककल्याण के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि *दूसरों के अधिकारों की रक्षा करना न्याय है, जबकि केवल अपने अधिकारों की रक्षा करना स्वार्थ है।* श्रीराम ने कभी स्वयं के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि सदैव समाज और मानवता के हित को सर्वोपरि रखा। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आग्रह किया तथा राजस्थान में अच्छी वर्षा की कामना करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों से प्रदेश में अच्छी बारिश हो रही है और इस वर्ष भी समृद्ध वर्षा की उम्मीद है। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के झड़ाया बालाजी धाम आगमन पर महायज्ञ सेवा समिति एवं संत-महात्माओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर जलदाय मंत्री केएल चौधरी, खंडेला विधायक सुभाष मील, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, महामंडलेश्वर बलदेव दास महाराज, सीताराम दास महाराज सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में झुंझुनू जिला कलेक्टर डॉ. अरुण कुमार गर्ग, सीकर जिला कलेक्टर आशीष मोदी, झुंझुनू पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर तथा सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत सहित प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

301 कन्याओं की भव्य कलश यात्रा के साथ पार्वती माता मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

सुपौल (हिंस)। जिले में सदर प्रखंड परिसर स्थित नवनिर्मित श्री पार्वती माता मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा एवं उद्घाटन महोत्सव का मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ शुभारंभ हुआ। महोत्सव के पहले दिन 301 कन्याओं की भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वैदिक मंत्रोच्चार, मंगल ध्वनि और धार्मिक जयघोष के बीच निकली कलश यात्रा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। कलश यात्रा की शुरुआत मंदिर परिसर से हुई। सिर पर कलश लिए 301 कन्याओं की लंबी कतार आकर्षण का केंद्र बनी रही। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए गांधी मैदान स्थित पोखर पहुंची, जहां वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार कलशों में पवित्र जल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालु गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और जय माता दी के उद्घोष के साथ पुन: मंदिर परिसर लौटे। पूरे मार्ग में *जय माता दी* और *हर-हर महादेव* के जयकारों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। कलश यात्रा के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कन्याओं का स्वागत किया। बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और ग्रामीण इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए। आयोजन को लेकर सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई थी। मंदिर निर्माण एवं आयोजन समिति के सदस्य मोती चौधरी और पप्पू कुमार ने बताया

कि प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंगलवार को मूर्ति भ्रमण, कलश यात्रा और भव्य जागरण का आयोजन किया गया।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला वाटरवेज लीजर टूरिज्म का आईपीओ, 25 जून तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी समुद्री क्रूज आपरेटर कंपनियों में से एक वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड का 585 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 जून को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 जून को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर एक जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 769 रुपये से लेकर 808 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 18 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 18 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,544 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,89,072 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 234 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं।

आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 72,40,099 नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सेंट्रम ब्रोकिंग लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 122.73 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। हालांकि अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी 168.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाने में सफल रही।

इसके बाद पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 52.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में उतार चढ़ाव के बावजूद बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 452.15 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 597.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद अगले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की राजस्व प्राप्ति घट कर 586.99 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गयी।

न्यूज़ ब्रीफ

आरेकल ने 21,000 नौकरियां घटाईं, एआई को बताया मुख्य कारण

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी आरेकल कार्प ने पिछले एक साल में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 21,000 कर्मचारियों की भारी कटौती की है। कंपनी ने अपनी वार्षिक नियामक फाइलिंग में इस छंटनी का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों को अपनाना और उनके व्यापक उपयोग को बताया है। सोमवार को जारी फाइलिंग में आरेकल ने स्वीकार किया कि उसके परिचालन में एआई तकनीकों के बढ़ते एकीकरण ने कुछ पदों की आवश्यकता कम कर दी है, जिसका असर कर्मचारियों की संख्या पर पड़ा। 31 मई को समाप्त हुए वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी के वैश्विक पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या घटकर 1.41 लाख रह गई, जो एक वर्ष पहले 1.62 लाख थी। इस बड़ी कटौती के चलते कंपनी को पुनर्गठन पर लगभग 1.8 अरब डालर (करीब 15,000 करोड़ रुपए) का महत्वपूर्ण खर्च उठाना पड़ा। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओपनएआई जैसे ग्राहकों के लिए महंगे एआई डेटा सेंटर विकसित करने से आरेकल पर वित्तीय दबाव बढ़ा है, जिसके कारण नकदी बचाने के प्रयासों के तहत भी इस वर्ष की शुरुआत में हजारों कर्मचारियों की छंटनी की गई थी, हालांकि तब वास्तविक संख्या का खुलासा नहीं किया गया था। आरेकल का कहना है कि एआई का प्रभाव भविष्य में भी कार्यबल पर पड़ सकता है।

रेड टेप को कैरी बैग चार्ज पड़ा भारी उपभोक्ता आयोग ने ठोका 8,000 का जुर्माना

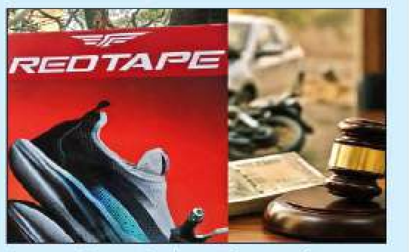

रोहतक। हरियाणा के रोहतक स्थित उपभोक्ता आयोग ने जूते के प्रसिद्ध ब्रांड रेड टेप को एक कैरी बैग के लिए 10 रुपए वसूलने पर बड़ा झटका दिया है। आयोग ने इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए कंपनी को ग्राहक से ली गई राशि वापस करने के साथ-साथ 8,000 रुपए का मुआवजा और मुकदमेबाजी लागत चुकाने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कई कंपनियां मनमाने ढंग से अतिरिक्त शुल्क वसूलती हैं, और यह ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। मामला 1 अप्रैल, 2023 का है, जब एक ग्राहक ने रेड टेप के रोहतक आउटलेट से 2,069.70 रुपए में जूते खरीदे थे। बिल के साथ स्टोर ने कैरी बैग के लिए 10 रुपए अतिरिक्त वसूले। ग्राहक ने इस शुल्क का विरोध करते हुए बिना शुल्क के बैग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, लेकिन कर्मचारियों ने कंपनी की नीति का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद ग्राहक ने इसे कानूनी रूप से गलत मानते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया, जिसमें 10 रुपए की वापसी के साथ-साथ 50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग की गई। रेड टेप ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यह शुल्क पर्यावरण को बढ़ावा देने और मुफ्त बैग के दुरुपयोग को कम करने के लिए लिया गया था।

नए अवतार में लौट आई है नई बजाज पल्सर 220 एफ

नई दिल्ली। सालों से भारतीयों के दिलों पर राज कर रही बजाज पल्सर एक बार फिर नए अवतार में लौट आई है। क्लासिक पल्सर 220एफ को कंपनी ने नए फुल एलईडी हेडलाइट सेटअप और एक बदले हुए फ्रंट लुक के साथ अपडेट किया है। जुलाई 2007 में पल्सर 220 डीटीएस-एफआई के तौर पर लान्च होने के बाद से इसका डिजाइन लगभग एक जैसा ही रहा था, लेकिन अब यह बदलाव बाइक लवर्स को निश्चित रूप से पसंद आएगा। 2026 अपडेटेड पल्सर 220एफ की एक्स-शोरूम कीमत 1.36 लाख रुपये है, जो पिछले दिसंबर 2025 में लान्च हुए माडल से लगभग 8,000 रुपये अधिक है। इस नए अपडेट में सबसे बड़ा बदलाव फुल एलईडी हेडलाइट्स हैं, जिसमें लो और हाई बीम को एक ही प्रोजेक्टर सेटअप में मिला दिया गया है, जो बदले हुए क्लस्टर के निचले हिस्से में लगा है। इसके डीआरएलएस अब आइब्रो जैसे एलईडी डिजाइन में आते है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ एडविट ज्वेल्स का आईपीओ, एक जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

रामभजो ब्रांड से ज्वेलरी का उत्पादन करने वाली कंपनी एडविट ज्वेल्स का 165.16 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 जून को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 जून को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर एक जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 130 रुपये से लेकर 138 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 100 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 100 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,800 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,200 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लाट में 1,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,19,68,000 नए शेयर बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.98 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.01 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए होलानी कंसलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

एडविट ज्वेल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 10.39 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 14.71 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 25.37 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 25.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 46.60 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 69.45 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 124.94 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 123.80 करोड़ का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 5.84 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 19.70 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 74.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 64.92 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 18.08 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़कर 32.80 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 58.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 83.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी इस अवधि में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 18.07 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 32.79 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 58.12 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 51.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 12.77 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 18.95 करोड़ रुपये और 2024-25 में 37.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 36.68 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

एयर इंडिया में प्रदीप सिंह खरोला की वापसी

पूर्व सीएमडी को चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया

नई दिल्ली

एयर इंडिया के पूर्व चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) प्रदीप सिंह खरोला की एक बार फिर एयरलाइन में वापसी हुई है। एयरलाइन सूत्रों के अनुसार, उन्हें चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन में संभावित बदलावों के बीच इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रदीप सिंह खरोला वर्ष 2017 से 2019 तक एयर इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान एयरलाइन कई परिचालन और वित्तीय चुनौतियों से गुजर रही थी। बाद में उन्हें नागरिक उड्डयन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने विमानन क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों में भूमिका निभाई।

एयर इंडिया के निजीकरण की प्रक्रिया में भी खरोला की अहम भूमिका रही थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में रहते हुए उन्होंने एयरलाइन के विनिवेश और पुनर्गठन से जुड़े कई प्रशासनिक एवं नीतिगत कार्यों का नेतृत्व किया था।

कंपनी में उनकी वापसी ऐसे समय हुई है, जब एयर इंडिया के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव की चर्चा तेज है। एयर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने पहले ही आने वाले महीनों में पद छोड़ने की घोषणा कर दी है। ऐसे में खरोला की नियुक्ति को संगठनात्मक स्थिरता और प्रबंधन के अनुभव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विमानन क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि लंबे प्रशासनिक अनुभव और एयर इंडिया के साथ पूर्व जुड़ाव के कारण खरोला कंपनी के रणनीतिक निर्णयों और भविष्य की योजनाओं में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनकी नियुक्ति से कंपनी के पुनर्गठन, परिचालन सुधार और दीर्घकालिक विकास योजनाओं को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

होंडा एक्टिवा ने मई में जूपिटर और एक्सेस को पछाड़ा

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा एक्टिवा स्कूटर ने टीवीएस जूपिटर और सुजुकी एक्सेस जैसे अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। मई 2026 में होंडा एक्टिवा की कुल 2,28,955 यूनिट्स बिकीं। वहीं, टीवीएस जूपिटर की 1,24,767 यूनिट्स और सुजुकी एक्सेस की 75,729 यूनिट्स बिकीं। इन दोनों स्कूटर की कुल बिक्री 2,00,496 यूनिट्स रही, जो एक्टिवा की बिक्री से 28,459 यूनिट्स कम है। यह आंकड़ा एक्टिवा की जबरदस्त लोकप्रियता को दर्शाता है। एक्टिवा ने मई 2025 में बेची गई 1,90,713 यूनिट्स की तुलना में इस साल मई में 20.05प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज करते हुए 38,242 यूनिट्स अधिक बेचीं। टीवीएस जूपिटर ने भी 27.83प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की, जबकि सुजुकी एक्सेस की बिक्री में मामूली गिरावट देखी गई। सिर्फ पेट्रोल स्कूटर सेगमेंट ही नहीं, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में भी अपनी अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की है। मई 2026 में, कंपनी ने अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो में शामिल एक्टिवा ई और क्यूसी1 ई-स्कूटर की कुल 520 यूनिट्स बेचीं। यह पहली बार है जब कंपनी ने 2025 की शुरुआत में इस सेगमेंट में प्रवेश करने के बाद एक महीने में 500 से अधिक ई-स्कूटर बेचे हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि चेन्नई में सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में आई तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 450 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत

1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,48,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं, एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिका में मेगाकैप टेक्नोलाजी स्टाक्स में गिरावट की वजह से वाल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से डाउ

जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 148.01 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 51,712.71 के स्तर पर पहुंच गया। इसके विपरीत एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,472.79 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 351.33 अंक यानी 1.32 प्रतिशत टूट कर 26,166.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,678.89 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,437.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 153.87 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,139.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स 0.25 प्रतिशत लुढ़क कर 8,400.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आमतौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में है। एशियाई बाजार के सूचकांकों में इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,213.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 24,095.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.34 प्रतिशत टूट कर 6,096.04 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 422.90 अंक यानी 4.64 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 548.92 अंक यानी 1.15 प्रतिशत लुढ़क कर 47,192.59 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 758.96 अंक यानी 1.05 प्रतिशत फिसल कर 71,595 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 243.52 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,525 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,561.89 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत टूट कर 4,147.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

औजला के गीत विनिंग स्पीच से मिलती है जीत की प्रेरणा : विराट

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का कहना है कि वह पंजाबी गायक करण औजला के गाने विनिंग स्पीच से प्रेरित हैं और इसे अपनी जीत का मंत्र मानते हैं। विराट के अनुसार उन्हें लगता है कि जिस प्रकार के बोल इसमें हैं।

उससे उन्हें अपने जीवन की यात्रा और संघर्षों का प्रतिबिंब इसमें दिखता है। वे इसे अपनी व्यक्तित्व से गहराई से जुड़ा हुआ मानते हैं। विराट का कहना है कि यह गीत उन्हें अपनी यात्रा, संघर्षों और जीवन के अनुभवों की याद दिलाता है, यही वजह है कि वे इसे दिल के करीब मानते हैं।

विराट ने एक कार्यक्रम में कहा कि मैच से पहले वह आमतौर पर विनिंग स्पीच सुनते हैं। उन्होंने इस गाने के प्रति अपने गहरे जुड़ाव को लेकर कहा, आप अपने दिल से गाने लिखते हो। जिस गीत से मैं बहुत जुड़ाव महसूस करता हूं, वह है विनिंग स्पीच क्योंकि उस गाने में उसी प्रकार की यात्रा के बारे में बताया गया है जिससे मैं गुजरा हूं। मैंने अपने पिता को बहुत कम उम्र में खो दिया था, इसलिए यह गीत मेरे लिए बहुत विशेष है। उन्होंने बताया कि इस गीत के बोल उन्हें अपनी यात्रा और अनुभवों की याद दिलाते हैं, जो उन्हें हर बार प्रेरित करते हैं।

इस कार्यक्रम में औजला ने अपने गानों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने विनिंग स्पीच सहित वेवी और एमएफ गबरू जैसे लोकप्रिय गाने गाए। कार्यक्रम के दौरान, औजला ने विराट को मंच पर आमंत्रित किया, जिसे देखकर दर्शकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सोशल मीडिया पर इस इवेंट के वीडियो तेजी से वायरल हुए, जिसने इस शानदार शाम को और भी विशेष बना दिया। इस यादगार रात को बनाने के लिए क्रिकेट, संगीत और फैशन जगत की कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं।

इसी मंच पर विराट ने अपने कभी हार न मानने वाले रवैये पर कहा कि मुझे ऐसे हालात पसंद हैं जब लोगों को लगता है कि मैच हाथ से निकल गया है और फिर किसी तरह आप गेम को वापस अपनी तरफ मोड़ लेते हैं। उन्होंने बचपन से ही इस मानसिकता को अपनाने की बात कही और बताया कि उन्होंने कभी भी अंत तक यह नहीं माना कि मैच हार गए हैं या वे जीत नहीं सकते। साथ ही कहा कि जब तक आप मैच हार नहीं जाते, तब तक खेल खत्म नहीं होता। विराट की यह अडिग भावना और उनका जीवन दर्शन, औजला के गीत विनिंग स्पीच के संदेश को बखूबी दर्शाता है, जो उन्हें मैदान पर और जीवन में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

न्यूज ब्रीफ

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में शिवा ने जीता रजत, युग प्रताप को कांस्य

नई दिल्ली। जर्मनी के सुहल में चल रही आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय दल ने एक और सफल दिन के साथ तीन नए पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया। भारत के शिवा नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। वहीं इसी स्पर्धा में युग प्रताप सिंह राठौर ने शानदार निशानेबाजी करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में भारत ने दो पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। टीम स्पर्धा में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर पुरुष टीम स्पर्धा में शिवा नरवाल, संदीप बिश्नोई और चिराग शर्मा की तिकड़ी ने संयुक्त रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत को रजत पदक दिलाया। इन तीन नए पदकों के साथ भारत की कुल पदक संख्या अब 15 हो गई है, जिसमें 5 स्वर्ण, 3 रजत और 7 कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय दल लगातार व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन कर रहा है और इसी के दम पर भारत ने चैंपियनशिप की पदक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।

फीफा विश्व कप 2026 : नार्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर नाकआउट दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क/न्यू जर्सी। फीफा विश्व कप 2026 में नार्वे ने सेनेगल को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। नार्वे की जीत के नायक एरलिंग हालांड रहे, जिन्होंने दूसरे हाफ में दो गोल दागे। मुकाबले की शुरुआत नार्वे के लिए शानदार रही। टीम को शुरुआती बढ़त मार्कस पेडर्सन ने दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में एरलिंग हालांड ने आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार दो गोल कर नार्वे को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि सेनेगल ने हार नहीं मानी। इस्माइला सार ने नार्वे के तीसरे गोल के पहले और बाद में दो गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम समय में सेनेगल ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन नार्वे की रक्षापंक्ति ने बढ़त बचाए रखी और टीम ने जीत दर्ज कर नाकआउट चरण का टिकट हासिल कर लिया। इस जीत के साथ नार्वे ने अगले दौर में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया, जबकि सेनेगल की स्थिति मुश्किल हो गई है।

मेसी के दो गोल से अर्जेंटीना की जीत, आस्ट्रिया को हराकर नाकआउट चरण में पहुंची टीम

डलास। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना ने अपने प्रशंसकों का भरोसा कायम रखते हुए आस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नाकआउट चरण में जगह पक्की कर ली। कप्तान लियोनेल मेसी ने दोनों गोल दागकर टीम को जीत दिलाई और एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी अहमियत साबित की। मैच से पहले ही डलास शहर अर्जेंटीना के रंग में रंग गया था। हजारों समर्थकों ने पारंपरिक बांदेराजो आयोजन में हिस्सा लेकर शहर को नीले-सफेद रंग में सजा दिया था। मुकाबले के दिन भी स्टेडियम में अर्जेंटीना समर्थकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मुकाबले की शुरुआत में अर्जेंटीना को बड़ा मौका मिला जब वीडियो समीक्षा के बाद टीम को पेनाल्टी दी गई। हालांकि मेसी इस अवसर को गोल में नहीं बदल सके और उनका शाट बाहर चला गया। यह विश्व कप 2022 में पोलैंड के खिलाफ चूकी पेनाल्टी के बाद देश के लिए उनकी पहली पेनाल्टी चूक रही। इसके बाद आस्ट्रिया ने कुछ समय तक अर्जेंटीना पर दबाव बनाया और मुकाबले को संतुलित बनाए रखा। लेकिन 39वें मिनट में अर्जेंटीना को बढ़त मिल गई। थियागो आल्मादा ने फाकुंडो मेडिना के पास को चतुराई से छोड़ दिया और गेंद मेसी तक पहुंची। मेसी ने संतुलित अंदाज में गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में आस्ट्रिया ने वापसी की कोशिश की और एक खतरनाक अवसर बनाया, लेकिन गोलरक्षक एमिलियानो मार्टिनेज ने शानदार बचाव किया।

मालवा स्टैलियंस ने रीवा जगुआर्स को 52 रन से हराया

अखिल के बल्ले और आदित्य-ईशान की गेंदों के दम पर मालवा की दमदार जीत; फिर भी रीवा प्लेआफ की दौड़ में तीसरे स्थान पर कायम

इंदौर

होलकर स्टेडियम में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के 41वें मुकाबले में मालवा स्टैलियंस ने अखिल निगोते यादव के बल्ले और आदित्य-ईशान की गेंदों के दम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए रीवा जगुआर्स को 52 रन से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में मालवा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 214/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में रीवा की पूरी टीम 20 ओवर में 162 रन पर सिमट गई।

मुकाबले के दौरान बारिश ने खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया था। उस समय रीवा जगुआर्स 15 ओवर में 108/6 के स्कोर पर थी और उसे 30 गेंदों में 107 रन की जरूरत थी। खेल दोबारा शुरू होने के बाद भी रीवा लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी और अंतत: 52 रन से हार का सामना करना पड़ा।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मालवा स्टैलियंस को अखिल निगोते यादव ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 66 रन की पारी खेली, जिसमें सात छक्के शामिल रहे। पार्थ साहनी ने 33 रन का योगदान दिया, जबकि अंत में आर्यन देशमुख ने महज 10 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 214 रन तक पहुंचा दिया। रीवा की ओर से अश्विन दास और सागर सोलंकी ने दो-दो विकेट लिए, लेकिन अन्य गेंदबाज मालवा के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल नहीं हो सके।

215 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रीवा की शुरुआत खराब रही और कप्तान पृथ्वीराज सिंह तोमर बिना खाता खोले आउट हो गए। अक्षत रघुवंशी (29) और मोहम्मद अरहम अकील (27) ने तेज बल्लेबाजी कर उम्मीद जगाई, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं बना सके। अथर्व महाजन ने 25 रन बनाए, जबकि अश्विन दास ने 15 गेंदों पर 28 रन की तेज पारी खेली। निचले क्रम में रामवीर गुज्जर ने 10 गेंदों पर चार छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन तब तक मैच रीवा की पकड़ से निकल चुका था। मालवा स्टैलियंस की जीत में आदित्य मिश्रा ने सबसे अहम भूमिका निभाई। उन्होंने चार ओवर में मात्र 19 रन देकर तीन विकेट झटके। ईशान चौधरी ने भी चार ओवर में 38 रन देकर चार विकेट लेकर रीवा की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। अशुतोष शर्मा और आर्यन देशमुख को भी एक-एक सफलता मिली। बारिश की बाधा के बावजूद मालवा स्टैलियंस ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और बल्लेबाजी व गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 52 रन की यादगार जीत अपने नाम कर ली।

इस जीत के बावजूद मालवा स्टैलियंस की प्लेआफ की राह लगभग बंद हो गई है। नौ मैचों में टीम की यह सिर्फ दूसरी जीत रही और वह चार अंकों के साथ अंक तालिका में अंतिम स्थान पर बनी हुई है। वहीं, हार के बावजूद रीवा जगुआर्स आठ मैचों में 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर कायम है। चंबल घड़ियाल्स 16 अंकों के साथ शीर्ष पर जबकि रायल निमाड़ ईगल्स 14 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

मालवा स्टैलियंस के आर्यन देशमुख को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। उन्होंने 10 गेंदों पर नाबाद 36 रन की विस्फोटक पारी खेलने के अलावा एक विकेट भी हासिल किया।

संक्षिप्त स्कोर

मालवा स्टैलियंस : 214/7 (20 ओवर) - अखिल निगोते यादव 66 (29), आर्यन देशमुख नाबाद 36 (10), पार्थ साहनी 33 (27); अश्विन दास 2/62, सागर सोलंकी 2/32।

रीवा जगुआर्स : 162 (20 ओवर) - अक्षत रघुवंशी 29 (16), अश्विन दास 28 (15), रामवीर गुज्जर 28 (10); ईशान चौधरी 4/38, आदित्य मिश्रा 3/19।

फीफा विश्व कप 2026 : फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराकर नाकआउट में बनाई जगह

फिलाडेल्फिया

फीफा विश्व कप 2026 में फ्रांस ने मंगलवार को इराक को 3-0 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का सबसे चर्चित पहलू रहा किलियन एम्बाप्पे का शानदार प्रदर्शन और बीच मैच में खराब मौसम के कारण हुआ लंबा व्यवधान।

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने प्रतियोगिता में अपना दूसरा दोहरा गोल दागते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके दोनों गोलों के बीच लगभग तीन घंटे का अंतर रहा, क्योंकि क्षेत्र में तेज़ तूफान और बारिश के कारण दूसरे हाफ की शुरुआत लगभग दो घंटे तक टालनी पड़ी।

एम्बाप्पे के इन गोलों के साथ विश्व कप में उनके कुल गोलों की संख्या 16 हो गई और उन्होंने जर्मनी के पूर्व दिग्गज स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोज़े के रिकार्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी आस्ट्रिया के खिलाफ दो गोल करके विश्व कप इतिहास में 18 गोल के नए रिकार्ड तक पहुंच चुके थे।

एम्बाप्पे अब इस विश्व कप में चार गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में मेसी से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

फ्रांस ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। 14वें मिनट में एम्बाप्पे ने पहला गोल किया। माइकल ओलिसे के पास पर गेंद मिलने के बाद उन्होंने बाक्स के बाहर से शानदार प्रहार किया, जिसे इराक के गोलरक्षक अहमद बासिल नहीं रोक सके।

दूसरे हाफ की शुरुआत मौसम के कारण देरी से हुई, लेकिन वापसी के बाद भी इराक लय नहीं पकड़ सका। 54वें मिनट में इराक की रक्षात्मक गलती का फायदा उठाते हुए उस्मान डेम्बेले ने एम्बाप्पे को आसान अवसर दिया और उन्होंने अपना दूसरा गोल कर दिया।

इसके बाद 66वें मिनट में मौजूदा बैलन डीओर विजेता उस्मान डेम्बेले ने भी गोल करते हुए फ्रांस की बढ़त 3-0 कर दी। डेम्बेले ने माइकल ओलिसे के शानदार पास को नियंत्रित करते हुए गेंद को गोल में पहुंचाया।

मैच के दौरान मौसम भी चर्चा का विषय रहा। पहले हाफ के समाप्त होने के समय ही तेज़ बारिश और तूफान शुरू हो गया, जिसके बाद दर्शकों को स्टेडियम के सुरक्षित हिस्सों में भेजा गया। लगभग एक घंटा 40 मिनट बाद खिलाड़ी वार्मअप के लिए लौटे और मैदान पर जमा पानी हटाने के बाद खेल दोबारा शुरू हो सका।

इस जीत के साथ फ्रांस ने नाकआउट चरण में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया और खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

फीफा विश्व कप : जर्मनी को बड़ा झटका

बोस्टन। फीफा विश्व कप 2026 में जर्मनी की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार डिफेंडर निको श्लोटरबेक टखने में गंभीर चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें ग्रुप चरण के मुकाबले के दौरान लगी थी। मैच के दौरान चोटिल होने के बाद श्लोटरबेक को मध्यांतर से पहले मैदान छोड़ना पड़ा था। बाद में कराई गई चिकित्सीय जांच में उनके बाएं टखने के लिगामेंट में गंभीर चोट की पुष्टि हुई, जिसके चलते उन्हें लंबे समय तक मैदान से दूर रहना पड़ सकता है। जर्मनी के मुख्य कोच जूलियन नागेल्समैन ने इस चोट को टीम के लिए बड़ा नुकसान बताया। उन्होंने कहा कि श्लोटरबेक न केवल रक्षापंक्ति के महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे, बल्कि उनकी खेल निर्माण क्षमता और मैदान पर नेतृत्व भी टीम के लिए बेहद अहम था। कोच ने यह भी कहा कि खिलाड़ी का सकारात्मक रवैया टीम के लिए प्रेरणादायक है और वह फिलहाल टीम के साथ बने रहेंगे। उनके अनुसार, श्लोटरबेक की मौजूदगी ड्रेसिंग रूम में भी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने में मदद करेगी। हालांकि जर्मनी के लिए राहत की बात यह है कि टीम पहले ही अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर नाकआउट चरण में पहुंच चुकी है।

फीफा विश्व कप 2026 : अल्जीरिया ने जार्डन को 2-1 से हराकर नाकआउट की उम्मीदें जिंदा रखीं

सैन फ्रांसिस्को

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप जे मुकाबले में मंगलवार को अल्जीरिया ने शानदार वापसी करते हुए जार्डन को 2-1 से हराकर अपनी नाकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा रखीं, जबकि जार्डन का टूर्नामेंट सफर यहीं समाप्त हो गया। मैच की शुरुआत से ही अल्जीरिया ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए, लेकिन जार्डन की मजबूत रक्षापंक्ति ने लंबे समय तक उन्हें सफलता नहीं मिलने दी। इसके उलट जार्डन ने मिले मौके का फायदा उठाते हुए 36वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। अल्जीरियाई रक्षण पंक्ति की गलती के बाद बने तेज आक्रमण को निजार अल-रशदान ने निचले कोने में शानदार शाट लगाकर गोल में बदल दिया। पहला हाफ में 1-0 से पीछे रहने के बाद अल्जीरिया ने दूसरे हाफ में दबाव बढ़ाया और वापसी की शुरुआत 69वें मिनट में हुई। स्थानापन्न खिलाड़ी नाधिर बेनबुआली ने रियाद महरेज के कार्नर पर शानदार हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अल्जीरिया ने लगातार दबाव बनाए रखा और 82वें मिनट में एक और कार्नर से निर्णायक गोल आया। बाक्स में बनी अफरा-तफरी के बीच अमीन गुइरी ने नजदीक से गेंद को गोल में पहुंचाकर अल्जीरिया को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम मिनटों में जार्डन ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन अल्जीरिया ने बढ़त बचाए रखी और महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। इस हार के साथ जार्डन अपने पहले विश्व कप अभियान से बाहर हो गया, जबकि अल्जीरिया ने अंतिम दौर की दौड़ में खुद को बनाए रखा और अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की।

यह विश्व कप इतिहास में पहली बार रहा जब अल्जीरिया ने पिछड़ने के बाद कोई मुकाबला जीतकर वापसी की। इससे पहले विश्व कप में पीछे रहने की स्थिति में उसका रिकार्ड बेहद निराशाजनक रहा था। इसके साथ ही अल्जीरिया ने एशियाई टीमों के खिलाफ विश्व कप में अपना शानदार रिकार्ड भी कायम रखा और अब तक ऐसे दोनों मुकाबले जीत चुका है। नाधिर बेनबुआली विश्व कप में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में गोल करने वाले दूसरे अल्जीरियाई खिलाड़ी बने, जबकि रियाद महरेज विश्व कप में गोल में योगदान देने वाले अल्जीरिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

आईसीसी ने जारी किया गर्भावस्था के बाद महिला क्रिकेटरों की वापसी का कार्यक्रम

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गर्भावस्था के बाद वापसी करने वाली रही महिला क्रिकेटरों की सहायता के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी करने के साथ ही कार्यक्रम भी पेश किया है।

आईसीसी का प्रयास उन महिला क्रिकेटरों की सहायता करना है जो अपने करियर के दौरान परिवार शुरू करने और बच्चे को जन्म देने के बाद मैदान पर वापसी का विकल्प चुन रही हैं। इन दिशानिर्देशों का लक्ष्य सदस्य बोर्डों के लिए एक संपूर्ण प्रणाली स्थापित करना है, जिससे कि वे खिलाड़ियों को गर्भावस्था, बच्चे के जन्म और शीर्ष स्तर के क्रिकेट में वापसी में उनकी सहायता कर सकें। इस कर्यक्रम के तहत ही पहले 16 सप्ताह के विंडो में बच्चे के जन्म के बाद शुरुआती रिकवरी, सुनियोजित अभ्यास और अनुकूलन शामिल होगा। इसके साथ ही क्रिकेट बोर्ड को प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक विशेष केस मैनेजर नियुक्त करना होगा, साथ ही उन्हें प्रशिक्षण के लिए लचीला माहौल, बच्चों की देखभाल और यात्रा में सहायता तथा गर्भावस्था व बच्चे के जन्म के बाद की अवधि में पर्याप्त चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराना होगा। इन व्यापक दिशानिर्देशों को आईसीसी की मेडिकल एडवाइजरी कमेटी ने तैयार किया है। इनका मुख्य उद्देश्य सदस्य बोर्डों को खिलाड़ियों की भलाई को प्राथमिकता देते हुए और स्थानीय कानूनों के अनुसार गर्भावस्था व खेल में वापसी की नीतियां बनाने में मदद करना है। इस प्रणाली में रेडी (तैयार), रिव्यू (समीक्षा), रिस्टोर (बहाली), रीकंडीशन (फिर से तैयार होना), रिटर्न (वापसी) और रिफाइन (बेहतर बनाना) नामक छह-चरणों वाला खेल में वापसी का माडल है। यह माडल बच्चे के जन्म के बाद शुरुआती रिकवरी से लेकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी और उसके बाद लगातार निगरानी तक की एक क्रमिक प्रक्रिया का विस्तृत विवरण देता है। आईसीसी के एक प्रवक्ता ने इस पहल को महिला क्रिकेटरों को उनके करियर के हर चरण में समर्थन देने के लिए एक आवश्यक कदम बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि मातृत्व और एलीट क्रिकेट को एक-दूसरे से अलग नहीं देखा जाना चाहिए। प्रवक्ता ने कहा, स्पष्ट, व्यावहारिक और खिलाड़ी-केंद्रित मार्गदर्शन प्रदान करके, हम सदस्य बोर्डों को समझदारी से निर्णय लेने, खिलाड़ियों की भलाई की रक्षा करने और खेल में अधिक बेहतरीन प्रतिभा को बनाए रखने में मदद करना चाहते हैं वहीं वेस्टइंडीज की अनुभवी खिलाड़ी एफी फ्लेचर, जिन्होंने 2021 में अपने बेटे को जन्म देने के बाद आईसीसी महिला विश्व कप में हिस्सा लिया था, का मानना है कि आईसीसी की ये पहल अधिक से खिलाड़ियों को मातृत्व के बाद क्रिकेट में वापसी के लिए प्रेरित करेंगी।

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

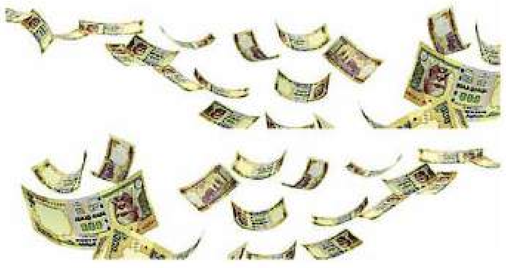

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलसिले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वतः ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं निःस्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

स्मार्ट लुक पाने के लिए चुनें सही चश्मा...

आजकल हर लड़के को चश्मा पहनना पसंद होता है। मार्केट में कई डिजाइन में चश्मे मिल जाते हैं, जो आपको स्मार्ट दिखने में मदद कर सकते हैं। वैसे अगर आप एक सही चश्मे का प्रयोग करते हैं तो उससे आप केवल स्मार्ट ही नहीं लगेंगे बल्कि इससे आपके अन्दर आत्मविश्वास भी आएगा। आप जब भी चश्मा लें तो पहले यह जरूर देख लें कि आपके चेहरे का आकार कैसा है। ज्यादातर चेहरे चार आकार के होते हैं। गोल, आयताकार, ओवल और हार्ट या डायमंड आकार। अगर आप अपने चेहरे के आकार को ध्यान में रख कर चश्मा लेते हैं तो आपको ज्यादा परेशानी नहीं होगी और आप अपने लिए एक सही चश्मे का चुनाव कर सकेंगे। अपने चेहरे के आकार के साथ-साथ आपको इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि आप जो चश्मा ले रहे हैं वो कहीं आपके चेहरे से बड़ा तो नहीं है। अगर आपका चेहरा छोटा है और आप हर समय चश्मा पहने रखते हैं तो हो सकता है बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे न लगें, लेकिन ऐसा नहीं है कि बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे नहीं लगेंगे। आप चाहें तो कभी-कभी अपने लुक में बदलाव करने के लिए बड़े चश्मों का भी प्रयोग कर सकते हैं।

ऑफिस में बने रहें मिस्टर कूल...

ऑफिस में काम करते समय कई बार लोगों को किसी भी बात पर गुस्सा आ जाता है। किसी भी कारण तनाव का माहौल बन जाता है। काम के चलते कुछ न कुछ स्ट्रेस हो जाता है। ऑफिस में अपने डेस्क पर एक छोटे गमले पर हरा पौधा रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि हरा पौधा देखने से मन को शांति मिलती है। एक छोटा हरा पौधा आपके चारों तरफ के माहौल में शांति फैलाता है। जब भी ऑफिस में आपको किसी बात पर गुस्सा आए या फिर काफी थकावट महसूस हो इस हरे पौधे की तरफ देखें एवं अच्छा सोचें। ऑफिस में काम को लेकर आए गुस्से पर काबू पाने के लिए अपनी कुर्सी से उठकर आसपास कुछ देर के लिए टहलें। ऐसा करने से काम से होने वाला स्ट्रेस दूर होता है। मांसपेशियां फैलती हैं और मन में पॉजिटिव विचार आते हैं। काम के फ्रस्टेशन को दूर करने के लिए अपनी कुर्सी पर बैठकर या फिर खड़े होकर आप अपनी बॉडी को स्ट्रेच करें। इसके अलावा आप कुछ हल्की एक्सरसाइज का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ऑफिस में काम के बीच-बीच में ड्राइ फ्रूट्स खाने से काम से होने वाला स्ट्रेस कम होता है। साथ ही गुस्सा आने पर ड्राइ फ्रूट्स खाने से मेंटल प्रेशर कम होता है और गुस्सा जल्द ही ठंडा हो जाता है।

युवाओं का नीला रंग...

पश्चिमी देशों में नीले रंग को युवा लड़कों से जोड़कर देखा जाता है। भौतिक और भौगोलिक क्षेत्र में रंग सबसे सुंदर पहलुओं में से एक है। हम चारों तरफ रंगों से घिरे हुए हैं, लेकिन कितनी बार हम असंख्य रंगों में कई बारीकियों को नहीं देख पाते हैं। नीले रंग को हमारे यहां भी खास महत्व दिया गया है। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे हैं। हाल के दिनों में इस पर बहुत काम हुआ है। हाल ही में हुई रिसर्च में कहा गया है कि अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए।

रंगों का अपना चमत्कार होता है। उसका शरीर मन और भावना के स्तर पर बहुत प्रभाव होता है। जैसा कि हम सब जानते है कि जीवन पर सूर्य की किरणों का गहरा असर होता है, वैसे ही रंगों का भी असर होता है। वह भी तो प्रकाश ही है। आप स्वयं अनुभव करेंगे कि जिस दिन आकाश बादलों से घिरा रहता है तब अग्नि मंद हो जाती है, शरीर सुस्ताने लग जाता है। धूप होती है, तो आदमी में स्फूर्ति होती है, सूरज के ताप का और प्रकाश का हमारे शरीर पर प्रभाव होता है, वैसे ही रंगों का प्रभाव भी हमारे शरीर और मन पर होता है। वर्तमान में रंगों पर बड़ा महत्वपूर्ण काम हुआ है, अनेक प्रयोग और तथ्य सामने आए हैं। अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए। यह बात एक रिसर्च में सामने आई है। छोटी अवधि के लिए नीले रंग की रोशनी से संपर्क आपको कठिन निर्णय लेने में मदद कर सकता है। नीले रंग के प्रकाश में 40 मिनट तक रहने के बाद आप कठिन निर्णय तीव्रता के साथ ले सकते हैं। यूनवर्सिटी ऑफ एरिजोना में इस अध्ययन के शोधकर्ताओं के मुताबिक पिछले अध्ययनों में केवल प्रकाश में रहने की अवधि के दौरान उसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया था, लेकिन यह अध्ययन बताता है कि नीले रंग के प्रकाश के आवरण के लाभकारी प्रभाव 40 मिनट बाद भी रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के अध्ययन के निष्कर्षों के मुताबिक, आधा घंटे के लिए नीले रंग की रोशनी में एक छोटी अवधि का संपर्क अधिक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देने के समय में औसत दर्जे का परिवर्तन करने के लिए पर्याप्त है। यह सुधार सीधे तौर पर प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स की सक्रियता में औसत दर्जे के परिवर्तन के साथ जुड़े हैं। नीलापन युक्त सफेद रोशनी कई व्यावसायिक क्षेत्रों जैसे पायलट काकपिट, ऑपरेशन कक्ष और सैन्य कार्यों में काफी इस्तेमाल की जाती है, जहां त्वरित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

नीले रंग की खूबियां

नीला रंग अपनी विशेष खूबियों के कारण काफी महत्व रखता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम तमाम जतन करते हैं। इस मामले में रंग भी हमारी सहायता करते हैं, क्योंकि इनका संबंध स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशियों से होता है। नीला रंग आध्यात्मिकता, अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और आंतरिक शांति का रंग है। नीले रंग के उपचार में दोनों शारीरिक और मानसिक रूप से, ठंडा और तसल्ली के लिए प्रयोग किया जाता है। नीले रंग के प्रयोग से शांति का अनुभव होता है। नीले रंग का ध्यान करने से शांति मिलती है। इसी तरह बैंगनी रंग शक्ति के साथ सांसारिक और आध्यात्मिक दोनों जुड़ा हुआ है।

नीले रंग के लाभ

फेंगशुई में नीले रंग को प्रगति और सकारात्मक परिवर्तन का रंग बताया गया है। इसका उचित तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह घर और उसमें रहने वाले सदस्यों को स्वास्थ्य लाभ कराता है, चिंता से मुक्ति देता है और आर्थिक व बौद्धिक प्रगति प्रदान करता है। नीला रंग जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए जल तत्व के सारे गुण इसमें समाहित हैं। नीला रंग पानी की ही तरह चंचल, गतिमान और जीवनदायिनी शक्ति प्रदान करता है। फेंगशुई कहता है कि अगर अपने आसपास के वातावरण में नीले रंग का प्रयोग किया जाए तो यह आपकी इच्छापूर्ति में मदद करता है। यह आपके ठहरे हुए व्यवसाय, करियर या निजी संबंधों को फिर से गति प्रदान करने में सहायक होता है।

ताजे विचार

हल्का नीला रंग उन लोगों के लिए विशेष लाभदायक हो सकता है, जो सृजनात्मक कार्यों से जुड़े हैं। यह रंग ताजा विचारों को प्रोत्साहित करता है। सीखने के इच्छुक लोगों को भी यह रंग अपेक्षित लाभ प्रदान करता है। गहरा नीला रंग शयनकक्ष के लिए उपयुक्त रंग माना जाता है। शयनकक्ष में गहरा नीला रंग तनावमुक्त, गहरी और सुकूनभरी नींद प्रदान करता है। इस रंग की एक और खासियत है कि यह ब्लड प्रेशर के मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। नीला रंग ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने में मददगार होता है। ऐसा माना जाता है कि रंगों का जन्म लगभग 2000 ईसा पूर्व हुआ। धीरे-धीरे रंगों की छटा पूरे विश्व में फैल गयी। भारत में प्रारंभिक काल से ही रंगों का विशेष महत्व रहा है। मोहन जोदड़ो एव हड़प्पा की खुदाई में सिंधु घाटी सभ्यता में रंगीन बर्तन एवं मूर्तियां पाई गई।

मिस्र में नीला रंग

प्राचीन मिस्र में रंगो का उपयोग 'उपचार रंग' के रूप में भी किया गया। मिस्र निवासी सूर्य की उपासना किया करते थे। उनका मानना था कि सूर्य के प्रकाश के बिना जीवन असंभव है। उन्होंने प्रकृति के रंगों के मुताबिक ही अपने मंदिरों को भी रंगा था। नीले आसमानी रंग से उनको काफी लगाव था। इनके कक्ष भी विभिन्न रंगों से सजे होते थे। आधुनिक चिकित्सा पद्धति को प्राचीन प्रकाश चिकित्सा से जोड़ कर देखा गया। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे। इसका सटीक अध्ययन सबसे पहले न्यूटन ने किया। उन्होंने यह कहकर सनसनी फैला दी कि रंग एक नहीं सात होते हैं। इसको प्रमाणित करने के लिए उन्होंने एक प्रयोग किया जिसमें एक अंधेरे कमरे में छोटे से छेद द्वारा सूर्य का प्रकाश आता था। यह प्रकाश एक प्रिज्म कांच द्वारा अपवर्तित होकर सफेद पर्दे पर पड़ता था। पर्दे पर सफेद प्रकाश के स्थान पर इद्रधनुष के सात रंग दिखाई दिए। ये रंग लाल, नारंगी, पीला, हरा, आसमानी, नीला तथा बैंगनी हैं। जब न्यूटन ने प्रकाश के मार्ग में एक और प्रिज्म पहले प्रिज्म से उलटा रखा, तो इन सात रंगों का प्रकाश मिलकर पुनः सफेद रंग प्रकाश बन गया। इन्हीं सात रंगों को इन्द्रधनुष नाम से जाना जाता है। सौ साल पहले पश्चिम में औद्योगिकरण की क्रांति ने कपड़ा उद्योग को तेजी से रफ्तार दी। जिससे रंगो की मांग बढ़ गई। प्राकृतिक रंगों के साधन भी सीमित थे। मांग और पूर्ति के आकड़े को देखते हुए कृत्रिम रंगो की खोज शुरू हुई। उन्हीं दिनों रॉयल कालेज ऑफ केमिस्ट्री, लंदन में विलियम पार्कीसन एनीलीन से मलेरिया की दवा कुनैन बनाने में जुटे हुए थे। कई प्रयोगो के बाद कुनैन तो बना नहीं लेकिन बैंगनी रंग जरूर बन गया। 1856 ई. में संयोगवश तैयार हुए इस रंग को मोव कहा गया। इस क्रम में 1860 में रानी रंग, 1862 में एनलोन नीला और काला 1865 में विस्माई भूरा, 1880 ई में सूती काला जैसे रासायनिक रंग उत्पन्न हुए। शुरुआत में यह रंग तारकोल की सहायता से बनाये जाते थे बाद में रासायनिक पदार्थो का प्रयोग किया जाने लगा। जर्मन रसायनशास्त्री एडोल्फ फोन ने 1865 में तमाम असफलताओं से जूझते हुए नील बनाने में सफलता प्राप्त की। जिसके लिए उन्हें 1905 ई. में नोबल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया।

आपकी जींस असली है या नकली?

आज के दौर में हर इंसान फैशन के साथ ब्रांडेड कपंनी के कपड़ों के पीछे भागता है जिसके लिए वह बड़ी कीमत देने को भी तैयार रहता है। ब्रांडेड कपड़े परफेक्ट लुक के साथ उभरते भी है। इसलिए लोग इनके पीछे ज्यादा भागते है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि सही कीमत देने के बाद भी हम ब्रांडेड कपड़ों की खरीददारी करते समय धोखा खा ही जाते है। क्योंकि असली जैसी दिखने वाली ब्रांडेड चीज भी नकली हो सकती है। इसलिए आज हम आपको ऐसी जानकारी से अवगत करा रहे हैं। ब्रांड लेविस की जीन्स के बारे में जिसकी असलियत की पहचान कर आप धोखा खाने से बच सकते हैं। तो जाने जींस के असली नकली की पहचान आप किस प्रकार कर सकते हैं।

बटनों में खास मार्क

जो जींस असली होती है उसमें लगने वाली बटनों में खास तरह का मार्क लगा होता है। यदि आपकी जींस में उपयोग किया जाने वाला बटन प्लेन है तो तुरंत ही समझ जाइए की वह जींस नकली ब्रांड की है। हमेशा जींस में आपको लेविस का मार्क खास तरह से लगा हुआ मिलेगा।

555 नंबर

ब्रांड जीस की सही पहचान जानने के लिएउसके बटन में इस बात पर गौर करे कि उसमें लिखा जाने वाला नं. 555 है या नही। अगर नहीं है तो आपकी जींस लेविस ब्रांड का नहीं है। वैसे तो बाजार में आपको अपनी ओर खींचने के लिए कई तरह के अलग अलग ब्रांड के जींस दिखाए जाते हैं। जो ज्यादातर नकली भी होते हैं।

डब्ल्यू33 एल 34

लेविस ब्रांड के जींस की सबसे बड़ी खासियत ये होती है कि इसमें दिए लोगो में डाले गए अंक की लंबाई और चौड़ाई, खास तरह से लिखी होती है। इसमें डब्ल्यू33 एल 34 लिखा मिलेगा यदि आपकी जींस में इस प्रकार का नंबर नही है तो आपकी जींस नकली ब्राडं की है।

प्रेम और दया सबसे बेहतर रास्ता...

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हम जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करें। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है।

प्रेम के बदले प्रेम

हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होती है वह प्रसन्न होती है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराती है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है।

परमात्मा के समकक्ष

ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साई सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

यस्य चित्तं द्रवीभूतं कृपया सर्वजंतुष।
तस्य ज्ञानेन मोक्षेण किं जटाभस्मलेपनैः।।

अर्थात जिसका हृदय सभी प्राणियों पर दया करने हेतु द्रवित हो उठता है, उसे ज्ञान, मोक्ष, जटा और भस्म लगाने की क्या जरूरत? भाव यह है कि हमें सभी प्राणियों पर दया करनी चाहिए, उनसे स्नेह करना चाहिए। जो ऐसा करता है, उसका स्थान परमात्मा के समकक्ष हो जाता है।

दया धर्म का मूल

किसी अन्य प्राणी को कष्ट में देखने पर उसके कष्ट दूर करने के उद्देश्य से उसकी सहायता करने की जिस इच्छा का मनुष्य के हृदय में जन्म होता है, वह दया या करुणा कहलाती है। गोस्वामी तुलसी दास जी ने राम चरित मानस में एक दोहे में कहा है-दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान। तुलसी दया न छोड़िये जब लगि घट में प्राण।।

विचारणीय यह है कि यदि दया धर्म का मूल है तब धर्म को स्थायित्व प्रदान करने और सशक्त बनाये जाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति, जो धर्म में विश्वास रखता है अथवा जो धर्म की उन्नति चाहता है अथवा जो अपने को धर्म का रक्षक कहता है, को अपने अन्दर के दया भाव को जागृत कर उसका प्रयोग धर्म की जड़ों के सशक्तिकरण के लिए करना होगा। सभी प्राणियों पर दया करते हुए असहाय दलितों, वंचितों और गरीबों पर विशेष दया दृष्टि से उनका दर्द कम करना होगा। कोरे भाषण देकर धर्म की पैरवी करने, दयनीय जीवन जी रहे लोगों को अल्पकालिक लालच देकर अपने समुदाय में शामिल करने अथवा उनके इर्द-गिर्द पहरेदार खड़े करने से धर्म की जड़े मजबूत नहीं होंगी।

जीवन के प्रति सजग भाव

जिस मनुष्य में जीवन के प्रति सहज भाव है उसे कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। संत रविदास ने कहा है कि 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। इसके विपरीत बाजार के आर्थिक स्वामी तथा प्रचार प्रबंधक अपने शोर से लोगों के मन को ही भटकाते हैं। जिस धर्म का पालन सही ढंग से एकांत में हो सकता है उसे उन्होंने चौराहे पर चर्चा का विषय बना दिया है। भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में यही स्थिति है। हर धर्म के ठेकेदार अपने निर्धारित विशिष्ट रंगों के वस्त्र पहनकर यह प्रमाणित करते हैं कि वह अपने समाज के माननीय है। यह अलग बात है कि किसी भी धर्म के मूल प्रवर्तक ने अपने समाज के लिए किसी खास रंग की पहचान नहीं बनाई। इस तरह धर्म को लेकर एक तरह से भ्रम की स्थिति बन गई है। अगर हम प्राचीन ग्रंथों के आधार पर धर्म के सिद्धांत की पहचान करें तो वह आचरण के आधार पर बना हुआ होता है। उसको कोई निश्चित कर्मकांड नहीं है। यही कारण है कि धार्मिक रूप से हमारे यहां एकता है पर कर्मकांडों में स्थान और क्षेत्र के आधार पर भिन्नता पाई जाती है। जहां तक स्वयं धर्म के आधार पर चलने का प्रश्न है तो उस पर अवश्य विचार करना चाहिए। प्रात:काल उठकर योगसाधना तथा पूजा आदि कर मन को स्वस्थ तथा प्रसन्न चित्त बनाना चाहिए। उससे पूरा दिन अच्छा निकलता है। धर्म को लेकर लोगों से अधिक चर्चा नहीं करना चाहिए क्योंकि अधिकतर लोग इस बारे में अपना ज्ञान बघारते हैं। हमारे आसपास धर्म के मार्ग पर चलने वाले लोग उंगलियों पर गिनती करने लायक ही होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**